RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, रविवार ●14 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 346 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

छठा दिवस

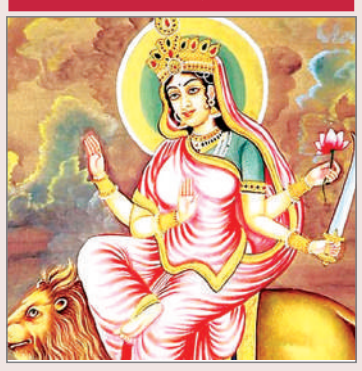

स्वरूप कात्यायनी

सूक्ष्म जगत जो अदृश्य, अव्यक्त है, उसकी सत्ता मां कात्यायनी चलाती हैं। वह अपने इस रूप में उन सब की सूचक हैं, जो अदृश्य या समझ के परे है। मां कात्यायनी दिव्यता के अति गुप्त रहस्यों की प्रतीक हैं।

मोदी गए थे पाकिस्तान

राजगढ़ में आमने-सामने बीजेपी और दिग्विजय

भोपाल। लोकसभा चुनाव के दौरान नेताओं द्वारा एक दूसरे पर कटाक्ष किए जा रहे हैं। हाल ही में बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री और राजगढ़ लोकसभा सीट से सांसद प्रत्याशी दिग्विजय सिंह को लाहौर और इस्लामाबाद भेजने पर बयान दिया था। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय ने पलटवार किया है। दिग्विजय सिंह ने राजगढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए कहा कि बीते 10 साल में पाकिस्तान कौन गया था। नरेंद्र मोदी गए थे और बिना आमंत्रण ही गए थे। इस दौरान दिग्विजय सिंह ने चुनाव आयोग की कार्रवाई

पर भी सवाल उठाए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि हमारी लड़ाई ईवीएम की है। इसके लिए हम चुनाव आयोग से समय मांग रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग हमें समय क्यों नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी कर्नाटक में बयान देते है कि बजरंग बली का नाम लेकर बटन दबाओ, भाजपा को वोट दो। उनको नोटिस नहीं मिला। बाकी सबको नोटिस देते हैं। इस दौरान दिग्विजय सिंह ने चुनाव आयोग पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमारी शिकायत चुनाव आयोग से है और मैं इसे अपने तरीके से दृढ़ता से जनता के हित में लड़ाई लडूंगा। दिग्विजय सिंह कहा कि वो 16 अप्रैल को सुबह करीब 11.30 से करीब 12.30 के बीच नामांकन दाखिल करेंगे। इस दौरान उनके साथ चार प्रस्तावक और उनके वकील सहित कांग्रेस जिलाध्यक्ष मौजूद रहेंगे। नामांकन दाखिल करने के बाद उसी दिन वो भैंसवा माता मे चल रहे शतचंडी यज्ञ के हवन मे शामिल होंगे।

अच्छी पहल

यहां डोली में बैठकर वोट डालने जाएंगे गर्भवती, बुजुर्ग और दिव्यांग

मुश्किल हालात में भी उत्तराखंड में वोटिंग कराएगा 'ईसी'

देहरादून (एजेंसी)। लोकतंत्र के महापर्व में गर्भवती महिलाओं की शतप्रतिशत भागीदारी कराने के लिए निर्वाचन और स्वास्थ्य विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। उत्तराखंड में गर्भवती महिलाएं पैदल नहीं बल्कि डोली में बैठकर वोट डालने जायेंगी। स्वास्थ्य विभाग ने हरिद्वार और उधमसिंह नगर को छोड़कर अन्य जिलों में गर्भवती महिलाओं के लिए डोली सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

इनके अलावा 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं को मतदान स्थल तक पहुंचाने के लिए भी डोली की व्यवस्था करने के आदेश दिए गए हैं। मतदान करने से कोई एक भी मतदाता ना चूके इसके लिए निर्वाचन विभाग पूरी तरह से कमर कसे हुए है। उत्तराखंड के दुर्गम स्थानों पर बने मतदान स्थलों तक गर्भवती महिला मतदाताओं को ले जाना या पहुंचाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। मैदानी क्षेत्रों में तो गर्भवती महिलाओं के लिए कोई दिक्कत नहीं है लेकिन दुर्गम क्षेत्रों में कई ऐसे मतदान स्थल हैं जो या तो बेहद ऊंचाई पर हैं या पैदल दूरी बहुत ज्यादा

10 हजार मीटर की ऊंचाई पर पोलिंग बूथ, यहां पैदल जाना मुश्किल

है। जैसे उत्तरकाशी में गंगोत्री विधानसभा क्षेत्र में पांच नंबर मतदेय प्रदेश स्थल सिंचाई भवन गंगोत्री पुरी 10,170 फीट की ऊंचाई पर है। इसी तरह से बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र के बद्रीनाथ में 10 हजार फीट की ऊंचाई पर कलगोठ मतदेय स्थल है। चमोली में बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र में ही डुमक मतदेय स्थल 20 किलोमीटर दूर है। गोपेश्वर से सड़क मार्ग की दूरी 55 किलोमीटर की है। रुद्रप्रयाग के केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र में त्रिजुगीनारायण मतदेय स्थल की ऊंचाई 7608 सीट है। देहरादून के चकराता विधानसभा क्षेत्र में कुनैन मतदेय स्थल 5600 फीट की ऊंचाई पर स्थित है जबकि पौड़ी गढ़वाल में चोबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र का बेदीखाल मतदेय स्थल 5500 मीटर की ऊंचाई पर है। अल्मोड़ा के सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र में डोनी और अल्मोड़ा विधानसभा क्षेत्र में स्याही देवी गूंठ मतदेय स्थल 7000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है।

ईरान-इजराइल जंग का खतरा, अमेरिका ने भेजा जंगी जहाज

भारत ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया, एअर इंडिया ने ईरान के एयरस्पेस का इस्तेमाल किया बंद

तेहरान (एजेंसी)। ईरान-इजराइल में तनाव बढ़ता जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान 2 दिन के भीतर इजराइल पर अटैक कर सकता है। इस बीच अमेरिका ने अपना वॉरशिप इजराइल भेजा है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका का एयरक्राफ्ट कैरियर स्स्ड्वाइट आइजनहावर लाल सागर के रास्ते इजराइल पहुंच रहा है। ये ईरान की तरफ से दागी जाने वाली मिसाइल और ड्रोन को रोकने में सक्षम है। इधर, भारत समेत 6 देशों- अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और जर्मनी ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें नागरिकों को ईरान और इजराइल न जाने की सलाह दी गई है। दरअसल, 1 अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में ईरानी एंबेसी के पास एयरस्ट्राइक की थी। इसमें ईरान के दो टॉप आर्मी कमांडर्स समेत 13 लोग मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने बदला लेने के लिए इजराइल पर अटैक करने की धमकी दी थी। मिडिल ईस्ट में 8 देशों में अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। जंग की स्थिति में ये इजराइल की मदद करेंगे। मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच ब्रिटेन की मिलिट्री ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से एक जहाज पर संदिग्ध गतिविधियां होने की आशंका जताई है। फिलहाल इसे लेकर ज्यादा जानकारी नहीं है। हालांकि, ये वही जगह है जहां अमेरिका 2019 से ईरान पर जहाजों को जब्त करने के आरोप लगाता रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया उन एयरलाइन्स में शामिल हो गया है जो ईरान के एयरस्पेस से नहीं गुजर रही हैं।

भोपाल में 7.5 मिमी बारिश टूटा 30 साल का रिकॉर्ड

अप्रैल महीने में 1.7 इंच बारिश हो चुकी, ऑल टाइम रिकॉर्ड भी बना

भोपाल। भोपाल में शुक्रवार-शनिवार की रात में रुक-रुककर 7.5 मिमी बारिश हुई। इतना पानी गिरते ही अप्रैल महीने में बारिश का 30 साल पुराना रिकॉर्ड भी टूट गया। वर्ष 1994 में अप्रैल में 40.7 मिमी यानी, 1.6 इंच बारिश हुई थी, जबकि इस बार 12 दिन में ही 43.9 मिमी, यानी 1.7 इंच पानी गिर चुका है। मौसम विभाग ने अगले 2 दिन और बारिश होने का अनुमान जताया है। भोपाल में पिछले पांच दिन से आंधी-बारिश का दौर चल रहा है। रोज दोपहर बाद मौसम बदल जाता है। 10 अप्रैल को 24 घंटे में 29.8 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। वहीं, शुक्रवार रात 8 बजे बाद बारिश फिर शुरू हो गई, जो देर रात तक जारी रही। शनिवार सुबह 8 बजे तक मौसम विभाग ने 7.5 मिमी बारिश दर्ज की। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार- अप्रैल में 30 साल पुराना रिकॉर्ड टूटने के साथ ऑल टाइम रिकॉर्ड भी बना है, क्योंकि अप्रैल में पहले कभी इतनी बारिश नहीं हुई है। मौसम विभाग ने रविवार को भी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। हालांकि, सुबह से धूप खिली है, लेकिन दोपहर बाद मौसम बदल सकता है। कहीं-कहीं ओले भी गिरने का अनुमान है। 14 और 15 अप्रैल को बूंदाबांदी होने का अनुमान है।

आतंकवादियों का कोई नियम नहीं तो हम क्यों नियम से चलें

- जयशंकर की टेरर पर दो-टूक, कहा-2014 के बाद से विदेश नीति में हुआ बदलाव

नई दिल्ली/पुणे (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर अपनी बात को स्पष्ट रूप से रखने के लिए जाने जाते हैं। देश हो या विदेश, बिना लागलपेट के बोलना उनकी आदत है। इस बार जयशंकर ने आतंकवाद पर दो टूक शब्दों में कहा कि 2014 के बाद से भारत की विदेश नीति में बदलाव आया है और आतंकवाद से निपटने का यही तरीका है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी नियमों से नहीं खेलते तो फिर पलटवार नियमों के तहत कैसे होगा। एस जयशंकर पुणे में 'भारत क्यों मायने रखता हैः युवाओं के लिए अवसर और वैस्विक परिदृश्य में भागीदारी' शीर्षक से एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। कार्यक्रम में उन्होंने मौजूद युवाओं से भी बातचीत की। विदेश मंत्री जयशंकर से कार्यक्रम के दौरान पूछा गया कि भारत को किन देशों के साथ संबंध बनाए रखना मुश्किल लगता है तो उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पड़ोस में है जिससे संबंध मुश्किल हैं।

16 को दिग्विजय-शिवराज 19 अप्रैल को भरेंगे नामांकन

- दो दिन की छुट्टी के बाद सिंधिया, बरैया भरेंगे पर्चा

भोपाल। प्रदेश में तीसरे चरण के लिए शुरू हुई लोकसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया अब 2 दिन के अवकाश के बाद सोमवार को शुरू होगी। इस चरण में कांग्रेस और भाजपा के कई दिग्गज चुनाव मैदान में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इनमें पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हैं। पहले दिन नामांकन शुरू होने के बाद छह सीट पर 7 प्रत्याशियों के नामांकन भरे गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 19 अप्रैल को विदिशा और दिग्विजय सिंह राजगढ़ लोकसभा सीट पर मंगलवार 15 अप्रैल को नामांकन भरेंगे। विदिशा लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रताप भानु शर्मा ने पहले दिन नामांकन भर दिया है जबकि भाजपा से पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान प्रत्याशी हैं। अभी उनके नामांकन की तारीख तय होना बाकी है। भिंड से कांग्रेस के फूल सिंह बरैया की भी नामांकन तारीख तय होना बाकी है।

अनुराग ठाकुर बोले-नकुल नाथ का चुनाव एक इवेंट

- पाढुंर्णा में केंद्रीय मंत्री ने ली सभा, कहा-इस बार होंगे हिट विकेट या क्लीन बोल्ड

भोपाल। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि छिंदवाड़ा सांसद नकुलनाथ छिंदवाड़ा की जनता के भरोसे को हवा में उड़ाकर एंज्वाय करते हैं। नकुलनाथ के लिए चुनाव एक इवेंट है, और छिंदवाडा उनका पसंदीदा पिकनिक स्पॉट है। उनके लिए सांसद पद जिम्मेदारी नहीं एंजॉय का पद है, वे ये नहीं जानते कि एक सांसद के ऊपर पूरी लोकसभा क्षेत्र की जनता की जिम्मेदारी होती है। ठाकुर ने कहा कि सांसद पद लोकसभा क्षेत्र की जनता का भरोसा होता है, जिसे उन्होंने एंजॉय कहकर खो दिया है। इस बार जनता उन्हें एंजॉय करने के लिए यहां की जनता उन्हें सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देगी।

इन सात दिनों में गर्माएगा माहौल

मैन टू मैन मार्किंग में बदली हॉट सीट छिंदवाड़ा

कमलनाथ ने चुनाव लड़ने का पैटर्न बदला भाजपा तोड़ ढूंढने में जुटी

छिंदवाड़ा से डॉ देवेन्द्र मालवीय
9827622204

छिंदवाड़ा। देशभर में चल रहे लोकसभा चुनाव के दौरान हॉट सीट में गिनी जाने वाली मध्यप्रदेश की छिंदवाड़ा सीट पर भाजपा -कांग्रेस ÷मैन टू मैन मार्किंग÷ पैटर्न पर चुनाव लड़ रही है। चालीस सालों से कब्जा जमाए मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कमलनाथ को पहली बार संकट का सामना करना पड़ रहा है।

छिंदवाड़ा से कांग्रेस ने दुबारा नकुल नाथ को अपना प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने बंटी साहु को अपना प्रत्याशी बनाया है।

जहां कमलनाथ मतदाताओं को अपने रिश्तों की दुहाई दे रहे हैं, वहीं कमलनाथ को हर रोज झटके पर झटके

लग रहे हैं। कमलनाथ के कई करीबी साथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। जनता भी पहली बार कमलनाथ के विरोध में मुखर होती जा रही है।

माना जाता रहा है कमलनाथ के गढ़ में भाजपा के कार्यकर्ता और नेता या तो अंदरूनी तरीके से कमलनाथ का साथ देते थे या फिर कमलनाथ की दहशत में घर बैठ जाते थे। कमलनाथ के इस तिलिस्म को भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिकारों ने पहली बार भेद दिया है। हालांकि भाजपा के रणनीतिकारों ने भी यह महसूस किया है कि कमलनाथ ने इस बार चुनाव लड़ने का पैटर्न बदल दिया है। कमलनाथ आक्रामक प्रचार शैली की बजाय साइलेंट प्रचार प्रसार और संपर्क की शैली अपनाए हुए हैं। भाजपा के रणनीतिकारों का कहना है कि साइलेंट शैली में कमलनाथ की टीम छोटी-छोटी राशियां लेकर निकल रही है और पैसा बांट रही है। जिसका तोड़ ढूढने में भाजपा के रणनीतिकार लगातार सक्रिय हैं।

पिछले चुनावों में चुनाव के आखिरी तीन दिन कमलनाथ अपना मैनेजमेंट स्थापित करे रहते थे। भाजपा के रणनीतिकारों ने आने वाले सात दिनों को लेकर अपनी रणनीति बना ली है। रणनीतिकारों के अनुसार कमलनाथ अब वोटिंग प्रतिशत गिराने के लिए क्षेत्र में शराब और पैसा बंटवाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

जिसे भाजपा के रणनीतिकार इस बार किसी भी हालत इस पैटर्न को में सफल नहीं होने देंगे।

अब बीएचटी रिपोर्ट खोलेगी मुख्तार की मौत का राज

मुख्तार के परिजन न आए न सही, जांच की रफ्तार फिर भी तेज

बांदा (एजेंसी)। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के मौत के मामले की जांच कर रही न्यायिक जांच कमेटी के सामने, मुख्तार के परिजनों ने अब तक कोई बयान दर्ज नहीं कराया। लेकिन जांच की रफ्तार तेज होती जा रही है। जांच टीम को मेडिकल कॉलेज की बीएचटी भी मिल गई है। जिसके जरिए पता लगाया जा सकेगा कि 26 व 28 मार्च को इलाज के दौरान किन बीमारियों का इलाज किया गया और किन-किन डॉक्टरों ने इलाज किया। बेड हेड टिकट को बीएचटी कहा जाता है। इसमें मुख्तार को 26 मार्च को अस्पताल में भर्ती किए जाने से लेकर 28 की रात उसकी मौत तक किए गए इलाज का पूरा ब्यौरा दर्ज है। इसी से साफ हो सकेगा कि 26 मार्च को मुख्तार की हालत 14 घंटे के इलाज के बाद आखिरी इतनी ठीक कैसे हो गई कि उसे आईसीयू से अस्पताल के किसी वार्ड या जेल के अस्पताल में रेफर करने की जगह सीधे तन्हाई वाली बैरक भेज दिया गया। इसमें इस बात का भी जिक्र है कि आईसीयू से भेजते वक्त मुख्तार के साथ कौन-कौन सी दवाइयां भेजी गईं। सूत्रों के अनुसार न्यायिक कमेटी की जांच अधिकारी अपर न्यायिक अधिकारी गरिमा सिंह 2 दिन पहले रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज अपनी टीम के साथ गई थीं। मुख्तार से जुड़े सभी तथ्यों की जांच की थी लेकिन अभी तक जिन डॉक्टरों ने मुख्तार का इलाज किया था उनके बयान नहीं लिए गए हैं। मेडिकल कॉलेज मेंजिन डॉक्टरों ने इलाज किया है,उनकी सूची तैयार कर ली है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, रविवार 14 अप्रैल, 2024

संक्षिप्त समाचार

सेमीफाइनल मुकाबले में विजेता रही कलेक्टर इंडियन

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले का मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से स्वीप गतिविधि अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट के निर्देशन में विविध कार्यक्रमों का आयोजन जारी है इसी क्रम में कनारा क्रिकेट ग्राउंड पर टेनिस बॉल क्रिकेट मैच और रास्सा कसी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट ने बताया कि मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से कनारा के मैदान पर आज गुरुवार को कलेक्टर इंडियन बनाम शिक्षा विभाग की टीम के मध्य सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें कलेक्टर इंडियन की टीम विजेता रही। फाइनल मुकाबला रविवार को कलेक्टर इंडियन बनाम पुलिस पैंथर के मध्य खेला जाएगा। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से आव्हान किया कि मतदान को बढावा देने के उद्धेश्य से आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के मैदान पर उपस्थित होकर खिलाड़ियों का हौंसला अफजाई करें और मतदान करने के संदेश का अधिक से अधिक सम्प्रेषण करें।

श्री कृष्ण गोशाला में मनाई मनीष जयंती

रायसेन(निप्र)। मीना समाज सेवा संगठन द्वारा गुरुवार को शहर की श्री कृष्ण गोशाला में भगवान मीनेष जयंती मनाई गई। इस दौरान पूजन भी की गई। साथ ही समाज के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान बताया गया कि श्री कृष्ण गोशाला में भगवान मीनेष का भी मंदिर बनाया जाएगा। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में यशवंत मीणा, मलखान सिंह मीणा, दीवान सिंह जी मीणा, भगवान सिंह पटवारी, दातार सिंह मीणा, भगवान सिंह आदि मौजूद थे।

छात्रा ने दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या की

रायसेन(निप्र)। कक्षा 11वीं की एक नाबालिग छात्रा ने फेल होने पर अपने ही घर में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना रायसेन जिले के सांची थाना क्षेत्र के ग्राम मेढ़की की है। जानकारी के अनुसार 16 वर्षीय सीएम राइज की 11वीं की छात्रा ने गुरुवार को अपने घर में ही फंदा लगाकर झूल गई। परिजनों के पुलिस को दिए गए बयान के अनुसार, बुधवार को उसका परीक्षा परिणाम घोषित हुआ था। जिसमें वह फेल हो गई थी। परिजनों ने बताया कि मृतिका की सहेलियां पास थी और वो फेल हो जाने से काफी दुखी थी। गुरुवार को उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सांची थाना प्रभारी मानसिंह चौधरी ने बताया की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। घटना का निरीक्षण कर शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों के सौंप दिया गया। मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। मौत की असल वजह का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा।

धक्का लगने से गोवा एक्सप्रेस से नीचे गिरा युवक

हरदा(निप्र)। बर्फ की फैक्ट्री में काम करने वाला युवक बड़े भाई की शादी में शामिल होने के लिए महाराष्ट्र के पुणे से उत्तर प्रदेश के झांसी जा रहा था, इसी दौरान गोवा एक्सप्रेस हरदा स्टेशन पर रुकी। इसके बाद आगे बढ़ने पर आउटर पर धक्का लगने से युवक गिर गया। उसे 108 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के महाराज खेड़ा निवासी मोहित पिता उमाशंकर लोधी 20 साल बड़े भाई की शादी में शामिल होने पुणे से झांसी जा रहा था। इसी दौरान हरदा स्टेशन के आउटर पर चलती ट्रेन में धक्का लगने से नीचे गिर गया।

ओला, बारिश से फसल को नुकसान, शीघ्र सर्वे की मांग

हरदा (निप्र)। जिला किसान कांग्रेस ने कहा जिले में असमय ओलावृष्टि और बारिश से मूंग फसल को नुकसान हुआ है। संगठन ने कलेक्टर आदित्य सिंह से तत्काल नुकसानी का सर्वे कराने की मांग की है। जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष मोहन विश्नोई ने कहा बीती रात ग्रामीण इलाकों में तेज हवा आंधी के साथ बारिश और ओलावृष्टि से ग्रीष्मकालीन मूंग फसल को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कलेक्टर सिंह तत्काल कृषि विभाग के अधिकारियों को खेतों का निरीक्षण करने के निर्देश जारी करें, ताकि सरकार उचित राहत दे। उन्होंने कहा पहले ही किसान को अपनी उपज का सही दाम नहीं मिल रहा है।

शांतिपूर्ण मंतदान हेतु सेक्टर अधिकारियों में समन्वय,सावधानी और नियमों का कढ़ाई से पालन जरूरी-कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी

सेक्टर अधिकारियों एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक समपन्न

सीहोर (निप्र)। लोकसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए जिला पंचायत सभाकक्ष में जिले के चारो विधानसभा के सेक्टर अधिकारियों एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह एवं एसपी श्री मयंक अवस्थी ने सभी अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कढ़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह एवं एसपी श्री अवस्थी ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि सेक्टर अधिकारी व सेक्टर पुलिस अधिकारी अपने- अपने मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करें। सेक्टर अधिकारियों को प्रदत्त मतदान केन्द्रों के रूट चार्ट की जानकारी, एक मतदान केन्द्र से दूसरे मतदान केन्द्र तक पहुंचने में लगने वाला समय एवं उसकी अनुमानित दूरी का आंकलन भी सेक्टर अधिकारी कर लें। मतदान केन्द्र तक पहुंचने वाले मार्ग के अलावा भी वैकल्पिक मार्ग की पहचान कर लें, जिससे कि मतदान केन्द्रों में सेक्टर अधिकारियों को पहुंचने में आसानी हो। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचरण संहिता की घोषणा किये जाने के बाद 24 घंटे, 48 घंटे एवं 72 घंटे में की जाने वाली आवश्यक कार्रवाई की जाना सुनिश्चित की जाये। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वृन्दावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आनंद सिंह राजावत, संयुक्त कलेक्टर श्री नितिन टाले, एसडीएम श्री तन्मय वर्ता, मास्टर ट्रेनर श्री पंकज जैन, डॉ राजेश बकोरिया, डॉ उदय डोलस, डॉ अनूप सिंह, सहित सभी सेक्टरों के सेक्टर अधिकारी उपस्थित थे।

मतदान केन्द्रों में व्यवस्थाएं

कलेक्टर श्री सिंह कहा कि मतदान केन्द्रों में बिजली, पंखा, मतदान दलों के ठहरने, उनके भोजन, पेयजल तथा जिन मतदान केन्द्रों में शौचालय नहीं है, वहां मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था आदि के संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिन मतदान केन्द्रों के पहुंच मार्ग पर मरम्मत संबंधी कार्य की आवश्यकता है, वहां मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

क्रिटीकल-वल्नरेबल मतदान केन्द्रों के संबंध कार्यवाही

कलेक्टर श्री सिंह एवं एसपी श्री अवस्थी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि वल्नरेबल एवं क्रिटीकल मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर मतदाताओं पर किसी भी प्रकार के अनुचित प्रभाव या बल का भय दिखाकर या उपयोग कर उसे स्वतंत्र, निष्पक्ष तरीके से मतदान करने से रोकने वाले लोगों अथवा समूहों की पहचान कर ली जाये। साथ ही क्षेत्र में पूर्व में हुये संसदीय/ विधानसभा अथवा स्थानीय निर्वाचन में मतदान के दिन अगर कोई घटना अथवा विवाद हुआ है, तो इसे दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक कार्यवाही कर ली जाए।

मॉक पोल से इवीएम सीलिंग तक की हो पूरी जानकारी

कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने कि कहा कि सभी सेक्टर अधिकारियों को सुगमता पूर्वक मतदान की प्रक्रिया को संचालित करने के लिए मॉकपोल से लेकर ईव्हीएम की सीलिंग तक सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का ज्ञान हो , ताकि मतदान की सम्पूर्ण प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के सम्पन्न हो सके। मतदान के दौरान पीठासीन अधिकारियों से ईव्हीएम की तकनीकी और अन्य समस्याओं की शिकायत मिलने पर तत्काल उनकी शिकायतों का समाधान करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मतदान केन्द्रों पर मॉकपोल के दौरान राजनैतिक दलों के अभिकर्ताओं की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

निशुल्क भोजन उपलब्ध कराने विहिप ने राम रसोई शुरू की

गंजबासौदा (निप्र)। नौलखी मंदिर परिसर में कथा स्थल के पास महंत राम मनोहर दास महाराज की उपस्थिति में उप यज्ञाचार्य केशव प्रसाद शास्त्री ने भोजन शाला राम रसोई का पूजन कर भोजन सेवा का शुभारंभ किया। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा इस राम रसोई का संचालन किया जाएगा। शुभारंभ के बाद दोपहर 12 बजे से उपस्थित श्रद्धालुओं एवं व्यवस्था में लगे विभिन्न विभागों के कार्यकर्ताओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। इस तरह यह भोजन सेवा प्रतिदिन दोपहर एवं सायं दोनों समय कथा के विश्राम तक निरंतर चलेगी।

इसमें सभी श्रद्धालु निशुल्क भोजन कर सकेंगे। इस अवसर पर महंत ने कहा कि अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गई थीं। इसी तरह नगर में भी पिछले समय में हुए आयोजन में भी विहिप ने भोजन सेवा एवं अन्य कई सेवाएं की थीं। इस वर्ष भी संगठन के कार्यकर्ता प्रारंभ से ही सेवा में लगे हुए हैं। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत सह गौरक्षा प्रमुख नीलेश अग्रवाल, विहिप जिला मंत्री अभिषेक शर्मा, बजरंग दल जिला सह संयोजक अन्नू यादव, रामू तिवारी, विजय शर्मा, रामकृष्ण राजपूत, भजन प्रजापति, डैनी राय, राजकुमार विश्वकर्मा, प्रकाश कुशवाह, अशोक वैष्णव, मनोज दांगी, गौरव तिवारी सहित कई कार्यकर्ता अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

विदिशा में भीषण सड़क हादसा: ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराया मैजिक वाहन, दो बच्चों की मौत, चार लोग घायल

विदिशा(निप्र)। विदिशा में बुधवार रात को भीषण सड़क हादसा हो गया। एक मैजिक वाहन सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से टकरा गया। हादसे के 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए तो वहीं दो बच्चों की मौत हो गई। रात को एक मैजिक वाहन ओलिंजा से हंसुआ के पास के स्थित करोंद बवालिया गांव आ रहा था। तब ही मैजिक वाहन भेरोखेड़ी चौराहे के पास पेट्रोल पंप के सामने एक ट्रैक्टर ट्राली घुस गया। हादसे में मैजिक में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए राहगीरों ने एंबुलेंस को हादसे की जानकारी दी। घायलों को जिला चिकित्सालय में इलाज के भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दो बच्चो को मृत घोषित कर दिया। बताया गया की मैजिक वाहन में करोंद बावलिया गांव के कमलेश कुशवाहा, पत्नी सोनम उनका बेटा प्रिंस, यश और भांजा नितिन और भांजी सौम्या वाहन में सवार थे। पुलिस के अनुसार वाहन हादसे के कमलेश के 11 साल के बेटे प्रिंस और 15 साल के भांजे नितिन की मौत हो गई। जबकि कमलेश उसकी पत्नी सोनम, बेटा यश और भांजी सौम्या गंभीर रूप से घायल है।

फुट ब्रिज की एक लैग स्टेशन भवन के बाहर निकलेगी

गंजबासौदा(निप्र)। रेलवे स्टेशन भवन के दक्षिणी भाग में बने पुराने कर्मचारी आवासों को तोड़ने का काम प्रारंभ हो गया। दरअसल यहां रेलवे द्वारा बनाए जा रहे नए फुट ब्रिज का एक लैग आएगा। नया फुट ब्रिज बस्ती से पूर्वी बस्ती तक बनाया जा रहा है। बीच के भाग में प्लेटफॉर्म को जोड़ने वाली सीढ़ियां और रैंप बनाए जाएंगे। वर्तमान में फुट ब्रिज एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म तक आने जाने के लिए था। इससे रेलवे कर्मचारी व बस्ती के लोग आने-जाने के लिए प्लेटफार्म का उपयोग करते थे। ऐसे में कई बार उनको रेलवे की कार्रवाई का भी सामना करना पड़ता था। अब नया एफओबी 40 फीट चौड़ा होने के साथ ही पूर्वी और पश्चिम बस्तियों को सीधे जोड़ेगा। हालांकि इस निर्माण के बीच में आ रहा रेलवे टावर भी बाधा बन रहा है, जिसे हटाने का प्रस्ताव इंजीनियरिंग विभाग द्वारा उच्च लेवल पर भेजा गया है।

कृषि विभाग के अधिकारी ने वेयरहाउस का किया निरीक्षण

करताना(निप्र)। बुधवार रात रुक-रुक कर हुई बारिश के चलते गड्ढों, नालियों में बारिश का पानी जमा हो गया। वर्तमान में सेवा सहकारी समितियों द्वारा वेयर हाउसों में गेहूं व चना फसल की खरीदी का कार्य किया जा रहा है। लेकिन वेयर हाउसों में इक्का-दुक्का किसान ही उपज विक्रय के लिए पहुंच रहे हैं। क्षेत्र में बुधवार को हुई बारिश के चलते गुरुवार को व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने कृषि विभाग से प्रभारी एसीडीओ वीरेंद्र साहू पहुंचे। उन्होंने कृष्णा ज्योति राधा वेयर हाउस सहित अन्य वेयर हाउसों परबनाए खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने वेयर हाउस में रखे खाली बारदानों की गठानों को चेक किया। देखा कहीं बारिश की नमी तो नहीं पकड़ी। अन्य वेयर हाउसों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कृषि विस्तार अधिकारी सहित समिति के कर्मचारी मौजूद थे।

प्रथम प्रशिक्षण में अनुपस्थित 20 कर्मचारियों को शोकाज नोटिस

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत जारी प्रथम प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले 20 कर्मचारियों को शोकाज नोटिस जारी किए हैं। जिन कर्मचारियों को शोकाज जारी किए गए हैं। उनमें विदिशा विकासखंड के पांच तथा बासौदा विकासखंड के 15 कर्मचारी शामिल हैं। प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने वाले जिन कर्मचारियों को शोकाज नोटिस जारी किया गया है उनमें बासौदा विकासखंड के लोक निर्माण विभाग के उप यांत्री गिरीश चंद शर्मा, नगर परिषद बासौदा के लेखापाल अशोक वर्मा, सा. वन मंडल सहायक ग्रेड 3 गायत्री देवी कुशवाहा, पशुपालन विभाग के पशु चिकित्सा सहायक डॉक्टर ज्योति शाक्य तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित विदिशा की कंप्यूटर ऑपरेटर सोनम राठौर शामिल हैं। इसके अलावा विदिशा विकासखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधवगंज क्रमांक दो की ललिता सक्सेना, पं. ग्रा. वि. वि. विदिशा के परियोजना अधिकारी रामनाथ चंदेले, एसएटीआई डिग्री विदिशा के सहायक प्रोफेसर अजय कुमार गोयल, स.सं.मतस्य वि. विदिशा के स. म. अधि. प्रांजल अहिरवार, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवखजूरी के प्रवीण शुक्ला, पीएचई विदिशा के सहायक ग्रेड तीन बैजनाथ प्रजापति, अटल बिहारी वाजपेई शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय विदिशा के सहायक ग्रेड तीन सुमित सोनी, खंड चिकित्सा अधिकारी पीपलखेड़ा के फॉर्मा करीम खान, शासकीय महाविद्यालय विदिशा के सहायक ग्रेड तीन वीर सिंह रघुवंशी, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या शेरपुरा विदिशा की अध्यापक अनीता श्रीवास्तव, भ.त्य अंकित आदिवासी, अटल बिहारी वाजपेई शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय विदिशा के सहायक ग्रेड तीन प्रशांत सोनी, इंडियन बैंक खरी फाटक विदिशा चतुर्थ श्रेणी जीवन सिंह, एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विदिशा प्राथमिक शिक्षक रमा शर्मा तथा नगर पालिका विदिशा के स्थाई कर्मी लीलाधर कुशवाहा शामिल हैं।

महामाई माता मंदिर में गूंजे माता रानी के जयकारे, बड़ी संख्या में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु

सिरोंज (निप्र)। सिरोंज की महामाई माता मंदिर पर चेत्र नवरात्रि उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। चैत्र नवरात्रि में यह क्षेत्र का यह बड़ा आयोजन है। माता का दरबार जिस पहाड़ी पर है,उसके चारों तरफ लाइट की हजारों झालरें लगाई जाती है। सिरोंज के अलावा भोपाल, उज्जैन सीहोर से टेंट की सेवाएं ली गई है तब जाकर पूरे परिसर में लाइटिंग हो पाती है। पूरे परिसर में झंडे, झंडिया व फ्लावर भी लगे है। करीब 40 बीघा का पूरा परिसर जगमग कर दिया गया है। कई किलोमीटर दूर से यह रोशनी दिखाई देने लगती है। प्रधान पुजारी पं. नलिनीकांत शर्मा ने बताया कि मंदिर बहुत प्राचीन है, पहले माता के मंदिर की स्थापना हुई फिर उसके बाद सिरोंज नगर बसाया गया। माता रानी चमत्कारी है सबकी मनोकामना पूर्ण करती है। विश्व शांति के लिये नव कुंडीय श्री विद्या शतचंडी महायज्ञ किया जा रहा है। जिसके समापन पर 18 अप्रैल को विशाल भंडारा होगा। जिसमें 1 लाख से अधिक लोग भोजन प्रसादी ग्रहण करेंगे।

रामलीला भी चल रही

मेला परिसर में रामलीला कर लिया बाद से डोम बनाया गया है, जिसमें 5 हजार से अधिक लोग बैठकर रामलीला देख सकते है। मथुरा वृंदावन के गौरांग प्रेमरस रासलीला माधुरी संस्थान के कलाकरों द्वारा रामलीला का मंचन किया जा रहा है। यह दल कई देशों में अपनी प्रस्तुति दे चुका है।

कथावाचक पं. कृष्णमुरारी व्यास ने बताया कि दो दर्ज़न से अधिक कलाकरों की ओर से संगीतमयी रामलीला की प्रस्तुति दी जा रही है। बुधवार की रात रामलीला में मनु सतरुखा प्रसंग व रामजन्म की कथा दिखाई गई।

सिंधी समाज ने मनाई भगवान झूलेलाल जयंती:शहर में निकाली शोभायात्रा

जगह-जगह हुआ स्वागत

विदिशा (निप्र)। विदिशा में सिंधी समाज के प्रवर्तक भगवान झूलेलाल की जयंती धूमधाम से मनाई गई। मंदिर में भगवान के अभिषेक होने के साथ ही ज्योत भी प्रज्जवलित की गई। वहीं भगवान झूलेलाल की विशेष आराधना की गई। इस अवसर पर सिंधी समाज ने लंगर का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों लोग प्रसादी ग्रहण किया। झूलेलाल जयंती के अवसर परदेर शाम को सिंधी समाज ने शोभा यात्रा निकाली जो शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई रात को बेतवा नदी पहुंची। जहां पवित्र ज्योति का विसर्जन किया। शहर के कई स्थानों पर व्यापारियों, समाजसेवियों ने शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। शोभायात्रा में बज रहे धार्मिक भजनों पर श्रद्धालु नाचते गाते चल रहे थे। सिंधी समाज के लोगो ने बताया कि इष्ट देव भगवान झूलेलाल का जन्मोत्सव चेटीचंड के रूप में नव संवत्सर के साथ धूमधाम से मनाया। चेटीचंड के दिन ज्योत प्रज्जवलित कर बहिराणा साहिब की पूजा, अक्षत आहुति, भजन, आरती व विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना के बाद भंडारा आयोजित किया गया। इसके बाद शोभायात्रा निकाली, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए बेतवा नदी पहुंची जहां बहिराणा साहिब का विसर्जन किया गया। पूज्य सिंधी पंचायत ऑडिटर रवि तलरेजा ने बताया कि इस वर्ष एक विशेष बात यह है कि 10 अप्रैल 1967 को सिंधी भाषा को भारतीय संविधान में मान्यता प्रदान की गई थी। इस दिन को सिंधी भाषा दिवस पर्व के रुप में भी मनाया जाता है। ॅविश्व भर के सिंधी समाज ने इस अदभुत संयोग के त्योहार को धूमधाम से मनाया जा रहा है। मतदान जागरूकता अभियान में सिंधी पंचायत के माताओं बहनों और सदस्यों ने सेल्फी पॉइंट पर अपने फोटो क्लिक किए।

जिला की तीनों लोकसभा निर्वाचन के लिए 5721 अधिकारी कर्मचारी तैनात

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 के निर्वाचन कार्यक्रम की घोषाणा के साथ ही जिले में आदर्श आचार संहित प्रभावशी हो गई है और लोकसभा निर्वाचन-2024 की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जिले में आचार संहिता के लागू होते ही निर्वाचन प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय तेजी से कार्य करना प्रारंभ किया जा चुका है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न कराने के लिए गत दिवस विभिन्न जिला अधिकारियों को दायित्व सौपे गये है इसी प्रक्रिया के तहत संसदीय क्षेत्र-19 भोपाल एवं 18-विदिश और 21-देवास में निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न कराने मतदान कार्मियों की तैनाती का कार्य तेजी के साथ किया जा रहा है। जिला मतदान के लिए नियुक्त किये जाने वाले मतदानकर्मी,सेक्टर अधिकारी एवं कार्यपालिका मजिस्ट्रेट,एफएसटी, एसएसटी सहित कुल 5617 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। संसदीय क्षेत्र-18 विदिशा के अन्तर्गत 156-बुधनी में मतदाकर्मी 1597 नियुक्ति किये गये है। सेक्टर अधिकारी एवं कार्यपालिका मजिस्ट्रेट 45, सेक्टर पुलिस अधिकारी 45, एफएसटी 05 नियुक्ति किये गये है। 158-इछावर में मतदाकर्मी 1210 नियुक्ति किये गये है। सेक्टर अधिकारी एवं कार्यपालिका मजिस्ट्रेट 25, सेक्टर पुलिस अधिकारी 25, एफएसटी 03 नियुक्ति किये गये है। संसदीय क्षेत्र-21 देवास के अन्तर्गत 157-आष्टा में मतदाकर्मी 1474, सेक्टर अधिकारी एवं कार्यपालिका मजिस्ट्रेट 36, सेक्टर पुलिस अधिकारी 36, और एफएसटी 04 नियुक्ति किये गये है।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, रविवार 14 अप्रैल, 2024

बसपा ने जारी की दूसरी सूची, इंदौर से चुनाव लड़ेंगे संजय सोलंकी

इंदौर। बहुजन समाजवादी पार्टी (बीएसपी) ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में दो लोकसभा सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। इनमें दोनों ही सीटें मध्य प्रदेश की हैं। बीएसपी द्वारा इस सूची में इंदौर और बैतूल से प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। बसपा ने लोकसभा चुनाव के लिए मध्य प्रदेश की 29 में 25 पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। मध्य प्रदेश से अब भिंड, मुरैना, ग्वालियर और गुना सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा होना शेष है।बसपा ने इंदौर लोकसभा से संजय सोलंकी को मैदान में उतारा है। संजय सोलंकी बहुजन समाज पार्टी के इंदौर संभाग के प्रभारी है। सनावद के रहने वाले हैं। उन्होंने बीए किया है और प्रापर्टी व्यवसायी है। सनावद में एमपी आनलाइन का सीएससी सेंटर भी संचालित करते हैं।उन्होंने बताया कि अभी तक खंडवा क्षेत्र में चुनावी तैयारियों में लगे थे। अब पार्टी का आदेश इंदौर आकर चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू करेंगे।वहीं बैतूल से अर्जुन भलावी को टिकट दिया है। बसपा ने बैतूल सीट पर पहले ही अपना प्रत्याशी अशोक भलावी घोषित कर दिया था, लेकिन उनका निधन होने के कारण उनके बेटे अर्जुन को टिकट दिया है।

आईपीएल : सटोरिये पुलिस की गिरफ्त में

इंदौर। अपराध शाखा ने सट्टे के अड्डे पर छापा मारा है। पुलिस ने तीन सटोरियों को पकड़ा है। आरोपित आनलाइन सट्टा लगा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अनिल वाधवानी कुंजवन कालोनी केशरबाग रोड़, पवन महाजन मानवता नगर और शुभम मुनावत बापिया थाना महिदपुर है। पुलिस ने आरोपितों से सात मोबाइल, एक लेपटाप, कैश और करोड़ों का हिसाब बरामद किया है। आरोपित आनलाइन आइडी बनाकर सट्टा लगा रहे थे।गौरतलब है कि पिछले करीब सात दिनों में पुलिस व क्राइम ब्रांच ने कई छापामार कार्रवाई करते हुए आईपीएल क्रिकेट मैचों के सट्टे पकड़े हैं। शहर के एक होटल में ऑनलाइन सट्टा लगा रहे मुरैना के तीन सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया था। दो दिन पहले ही पुलिस ने सुदामा नगर के मकान से आरोपितों को पकड़ा था। जब पुलिस की कार्रवाई जारी थी, उसी समय सटोरियों को कई फोन आ रहे थे। दोनों ही मामलों में करोड़ों रुपये का सट्टा लग रहा था। हालांकि पुलिस अभी तक निचले स्तर पर ही कार्रवाई कर रही है और सरगना पहुंच से दूर विदेश में है।

इंदौर: स्ट्रांग रूम में शिफ्ट होंगी ईवीएम मशीन

इंदौर। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा लोकसभा चुनाव की तैयारी की जा रही है। रेंडमाइजेशन के बाद मशीनों को विधानसभा अनुसार पोर्टल पर चढ़ाया जा चुका है। अब मतदान केंद्र अनुसार ईवीएम का आवंटन किया जाना है। गंजी कंपाउंड स्थित स्ट्रांग रूम से ईवीएम मशीनों को कंटेनर से नेहरू स्टेडियम के स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच शिफ्ट किया जाएगा। इंदौर जिले की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों के लिए रिजर्व सहित 2981 बैलेट यूनिट (बीयू), 2981 कंट्रोल यूनिट (सीयू) और 3228 वीवीपेट का आवंटन किया गया है।इंदौर जिले की नौ विधानसभा सीटों में 2677 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र रघुवंशी का कहना है कि प्रोटोकाल के तहत मशीनों को स्थानांतरित कराया जाएगा। इसके लिए नौ कंटेनर की व्यवस्था की गई है। हर विधानसभा की मशीनें एक-एक कंटेनर में एकसाथ स्थानांतरित की जाएंगी।स्ट्रांग रूम में बदलाव विधानसभा चुनाव के दौरान कई विधानसभा क्षेत्रों के स्ट्रांग रूम छोटे बन गए थे। इसलिए मशीनों को रखने और निकालने में देरी हुई। इस बार प्रशासन ने अधिक मतदान वाली विधानसभाओं को बड़े कक्षों में स्थानांतरित कर दिया है। विधानसभा क्षेत्र इंदौर-5 में सर्वाधिक मतदान केंद्र होने से विधानसभा क्षेत्र इंदौर-5 के स्ट्रांग रूम से बला गया है। वहीं राऊ और महू के साथ भी अपनाई गई है। हालांकि महू के मतदाता धार लोकसभा के प्रत्याशी के लिए मतदान करेंगे, लेकिन व्यवस्था का जिम्मा इंदौर प्रशासन के जिम्मे है।

चुनावी शोर: शहर के मुकाबले गांवों में प्रचार जोरों पर

इंदौर। लोकसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान में अब एक माह से भी कम समय शेष है, लेकिन शहरी क्षेत्रों में कहीं भी चुनावी माहौल नजर नहीं आ रहा। राजनीतिक दल भी प्रचार को लेकर अब तक उदासीन हैं। हालांकि ग्रामीण इलाकों में जरूर चुनावी शोर सुनाई देने लगा है।भाजपा की ग्रामीण इकाई लोकसभा चुनाव के लिए विशेष रणनीति तैयार कर मैदान में उतर गई है। इंदौर ग्रामीण क्षेत्र में कुल 851 बूथ हैं। पार्टी ने इन सभी के लिए बूथवार दल गठित कर दिए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार का असर दिखाई भी पड़ने लगा है।

ग्रामीण क्षेत्र में हैं तीन विधानसभा सीटें इंदौर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आठ विधानसभा सीटें आती हैं। इनमें से तीन राऊ, सांवेर और देपालपुर ग्रामीण सीटें जबकि शेष शहरी सीटें हैं। ग्रामीण सीटों पर प्रचार-प्रसार और कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित करने की जिम्मेदारी जिलाध्यक्ष के पास है। पार्टी के जिलाध्यक्ष चिंटू वर्मा ने बताया कि हमने करीब डेढ़ सप्ताह पहले से प्रचार शुरू कर दिया है। इसके अलावा शक्ति केंद्र की बैठक नियमित रूप से चल रही हैं। इसके अलावा मंडलों के सम्मेलन और विधानसभा क्षेत्रवार सम्मेलन भी आयोजित कर रहे हैं।

सुबह और शाम चला रहे अभियान

भाजपा ग्रामीण के कार्यकर्ता सुबह और शाम के समय दो-दो घंटे संपर्क अभियान चला रहे हैं। इसके तहत मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें पार्टी की विचारधारा में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

परंपरागत कांग्रेसी क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान

रणनीति में बदलाव करते हुए भाजपा इस बार उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रही है जो परंपरागत तरीके के कांग्रेस की विचारधारा वाले हैं। इस रणनीति के तहत पार्टी के कार्यकर्ता परंपरागत रूप से कांग्रेस का समर्थन करने वाले परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें केंद्र सरकार के कार्यकलाप और योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं।

हारे हुए बूथों पर विशेष रणनीति

भाजपा ने इस चुनाव में उन बूथों के लिए विशेष रणनीति तैयार की है, जहां पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी को हार मिली थी। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक कार्यकर्ता को 100 मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से मिलकर पार्टी की विचारधारा उन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए मतदाता सूची को अलग-अलग हिस्सों में बांटा गया है। पार्टी बूथों पर रामनवमी से हनुमान जयंती तक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित करेगी।

भक्तों को दर्शन देने नगर भ्रमण करेगी 501 साल प्राचीन रामलला की मूर्ति

इंदौर। रामनवमी पर पंचकुइया स्थित श्रीराम मंदिर आश्रम से निकलने वाली परंपरागत श्रीराम रथ यात्रा का प्रथम निमंत्रण खजराना गणेश को अर्पित किया। आमंत्रण पंचकुइयां पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज ने साधु-संतों की उपस्थिति में पूजा-अर्चना कर अर्पित किया। यात्रा में 501 साल पुरानी रामलला की मूर्ति भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण करेगी।रामनवमी पर 17 अप्रैल को संतों की तपोस्थली पंचकुइया स्थित श्रीराम मंदिर आश्रम से श्री राम रथ यात्रा निकलेगी। इसमें अयोध्या के राम मंदिर की प्रकृति और हनुमान जी की झांकियों के साथ रथ पर मंदिर के 501 वर्ष प्राचीन भगवान रामलला सवार होकर भक्तों को दर्शन देने और उनके हालचाल जानने निकलेंगे। इसमें हजारों भक्तों के साथ ही मथुरा, वृन्दावन, अयोध्या,चित्रकूट के साथ इंदौर के साधु-संत समाज भी सम्मिलित होंगे।यात्रा रामनवमी पर शाम 4 बजे निकलेगी। यात्रा में अश्व ध्वज वाहक और सैकड़ों युवा भगवा ध्वज लेकर चलेंगे। यात्रा में आगे-आगे घोड़े, बग्घी, बैंड बाजे, हाथी भी रहेंगे। यह यात्रा साकेत वासी महामंडलेश्वर लक्ष्मण दास महाराज की प्रेरणा से निकली जा रही है। खजराना गणेश को निमंत्रण देने के मौके पर विधायक रमेश मेंदोला, जानकी वल्लभ दास महाराज, सीताराम दास महाराज, बलराम बाबा, नारायण अग्रवाल, हरिनारायण गोयल, अशोक विदासरिया, धीरज शुक्ला, मनोज शर्मा सहित अन्य भक्तगण मौजूद थे।

11 मई को आयोजित होगी लोक अदालत

इंदौर। वर्ष 2024 की दूसरी लोक अदालत 11 मई को आयोजित होनी है। इसकी मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा तैयारी की जा रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के शेड्यूल के अनुसार आगामी लोक अदालतें 11 मई, 14 सितंबर, 14 दिसंबर को आयोजित होनी है। इन अदालतों में बिजली के विजिलेंस संबंधित और संचारण संधारण चेकिंग दल द्वारा बनाए गए प्रकरणों को समाधान के लिए रखा जाएगा। इसके लिए कंपनी लगभग 50 हजार नोटिस जारी करेगी। लोक अदालत में निराकृत होने वाले प्रकरणों में ब्याज व पेनाल्टी में छूट भी दी जाएगी।

वर्ष की पहली लोक अदालत 9 मार्च को आयोजित हो चुकी है।कंपनी ने उपभोक्ताओं एवं आमजनों से बिजली लाइनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखने की अपील की है। निम्न दाब यानी एलटी लाइन जहां ट्रैफिक नहीं हो, वहां 4.6 मीटर या 15 फीट और 11 केवी, 33 केवी की उच्च दाब लाइनों की दूरी 5.2 मीटर या 17 फीट होनी चाहिए। इसी तरह सड़क के समानांतर विद्युत लाइन के निचले तार की ऊंचाई एलटी में 5.5 मीटर या 18 फीट और एचटी लाइन होने पर 5.8 मीटर या 19 फीट हो, सड़क क्रॉसिंग करती हुई बिजली लाइन एलटी 5.8 मीटर या 19 फीट और एचटी लाइन की ऊंचाई 6.1 मीटर या 20 फीट होनी चाहिए।इसी तरह मकान के ऊपर से गुजरने वाली लाइन एलटी कंडक्टर की न्यूनतम दूरी मकान के उपरी हिस्से से 2.5 मीटर या आठ फीट और एचटी लाइन होने पर दूरी 3.7 मीटर या 12 फीट होनी चाहिए।

मकान के पास से यदि लाइन गुजरती हैं तो एलटी लाइन से मकान के अंतिम छोर की दूरी 1.2 मीटर या पौने चार फीट एवं एचटी लाइन होने पर मकान के अंतिम छोर से दूरी दो मीटर या साढ़े छह फीट होनी चाहिए। बिजली कंपनी ने सभी नागरिकों से बिजली लाइनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखने की अपील की हैं , ताकि हादसों की आशंका न रहे।

सोमला गैंग ने किया पुलिसकर्मियों पर हमला

इंदौर। लंदन विलाज डकैती कांड के मुख्य आरोपित सोमला गैंग जोबट में पुलिसकर्मियों पर हमला कर फरार हो गई। बदमाश हीरानगर थाना क्षेत्र से जीप चुराकर ले गए थे। जीपीएस ट्रैकिंग के आधार पर पुलिसकर्मियों ने नाकाबंदी लगाई, लेकिन बदमाश पुलिसकर्मियों से ही भिड़ गए। पुलिस ने कई बार दबिश भी दी, लेकिन आरोपित फरार मिले।हीरानगर थाना के अंतर्गत लाहिया कालोनी (कबीटखेड़ी) से पिछले दिनों तूफान वाहन चोरी हुआ था। जीप में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम लगा हुआ था। जीपीएस से पता चला कि बदमाश जोबट की तरफ गए हैं। झाबुआ पुलिस को अलर्ट किया तो कालीदेवी क्षेत्र में पुलिस वालों ने गाड़ी पकड़ ली। सोमला ने कालीदेवी में ही आइओसी के मैनेजर पुष्पेंद्र सिंह की कार छोड़ी थी।बताते हैं कि बदमाश जीप रोकने वाले पुलिसकर्मियों से भिड़ गए और साथियों को छुड़वा लिया। हालांकि पुलिस ने जीप को जब्त कर लिया। जोन-3 के डीसीपी पंकज पांडे के अनुसार बदमाश बोरी थाना अंतर्गत आने वाले बड़ी कदवाल के है। ये बदमाश सोमला से जुड़े हैं कि नहीं, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन सोमला भी इसी गांव में रहता है। यहां कई गैंग सक्रिय हैं और एक-दूसरे के साथ मिलकर अपराध भी करते हैं।

बाइक चुराकर बड़ी गाड़ी चुराते हैं बदमाश

पुलिस की जांच में पता चला कि बदमाश किराये की गाड़ी लेकर शहर आते हैं। बाहरी क्षेत्र में उतर कर पहले दोपहिया वाहन की व्यवस्था करते हैं। चोरी के इसी वाहन से बड़ी गाड़ी चुराते हैं ताकि लूट-डकैती जैसी घटना को अंजाम दे सकें। पुलिस अब धार, झाबुआ, आलीराजपुर पुलिस की मदद से आरोपितों को ढूंढ रही है।

आरोपी से अंगूठी जब्त

बाणगंगा पुलिस ने लंदन विलाज डकैती कांड के एक आरोपी थावरिया उर्फ राजेश से सोने की अंगूठी जब्त कर ली है। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकारा कि डकैती में आकेश उर्फ आकाश, कलम थोगू और सोमला शामिल था। डकैती के बाद आरोपी गुजरात भागे थे। टीआइ लोकेशसिंह भदौरिया के अनुसार अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।

फैक्ट्री में खुली शराब की दुकान

इंदौर। शहर के सबसे पुराने सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगों के लिए दी गई जमीन पर शराब की दुकान तो खुल सकती है, लेकिन फैक्ट्री नहीं बनाई जा सकती। करीब पांच दशक पुराना औद्योगिक क्षेत्र अवैध कब्जों और गुंडागर्दी से परेशान है। औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर-बी में उद्योग को आवंटित जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र (डीआइसी) की जमीन पर बदमाश फैक्ट्री नहीं बनाने दे रहे।उद्योग के लिए आवंटित जमीन पर रात के अंधेरे में कब्जे हो रहे हैं। दूसरी ओर पहले से बनी एक फैक्ट्री में शराब की दुकान खोल दी गई। यह फैक्ट्री भी डीआइसी की जमीन पर है। गुंडागर्दी और कब्जों के खिलाफ उद्योगपति शिकायत कर परेशान है। न उद्योग विभाग सुध ले रहा है न पुलिस और प्रशासन कार्रवाई कर रहा है।

केस एक - सांवेर रोड के सेक्टर-बी में सप्ताह भर पहले राज इंडस्ट्रीज नामक फैक्ट्री की जमीन पर निर्माण कर रहे उद्योगपति को कुछ लोगों ने धमका कर रोक दिया। इसके बाद रात में फैक्ट्री की जमीन पर कब्जा कर लिया। उद्योगपति को शासन (डीआइसी) ने 2019 में उद्योग बनाने के लिए जमीन आवंटित की थी। उद्योगपति और उद्योग संगठन ने करीब डेढ़ सप्ताह पहले उद्योग विभाग और पुलिस से शिकायत की। सुनवाई नहीं हुई तो 10 अप्रैल को कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर को शिकायत हुई। हालांकि कार्रवाई नहीं हुई। केस दो - औद्योगिक क्षेत्र में बाणगंगा ब्रिज के पहले फ्लामेक्स फूड्स नामक कंपनी के भवन में शराब की दुकान खोल दी गई। यह जमीन भी फैक्ट्री के लिए शासन (डीआइसी) द्वारा आवंटित की गई है। नियमानुसार न तो डीआइसी किसी दुकान और शराब की दुकान को जगह दे सकता है। ना ही उद्योगों की दी गई जमीन पर शराब बेची जा सकती है।

केस तीन - उद्योगों की सुरक्षा के लिए क्षेत्र में उद्योगपतियों ने अपने रुपयों से फायर ब्रिगेड स्टेशन बनाकर पुलिस के सुपुर्द किया गया। फायर ब्रिगेड स्टेशन की खाली जमीन पर रात में बाउंड्री बनाकर कब्जे हो गए। उद्योगपति शिकायत करने गए तो स्थानीय नेताओं ने ही धमका दिया।

पुलिसकर्मियों पर हमला कर डकैतों को छुड़ा ले गई सोमला गैंग

इंदौर, । लंदन विलाज डकैती कांड के मुख्य आरोपित सोमला गैंग जोबट में पुलिसकर्मियों पर हमला कर फरार हो गई। बदमाश हीरानगर थाना क्षेत्र से जीप चुराकर ले गए थे। जीपीएस ट्रैकिंग के आधार पर पुलिसकर्मियों ने नाकाबंदी लगाई, लेकिन बदमाश पुलिसकर्मियों से ही भिड़ गए। पुलिस ने कई बार दबिश भी दी, लेकिन आरोपित फरार मिले। पुलिसकर्मियों पर हमला कर डकैतों को छुड़ा ले गई सोमला गैंग, इंदौर के हीरानगर से जीप चुराकर भाग रहे थे, जोबट में पुलिस ने रोका तो भिड़ गए बदमाश।हीरानगर थाना के अंतर्गत लाहिया कालोनी (कबीटखेड़ी) से पिछले दिनों तूफान वाहन चोरी हुआ था।

फर्जी आदेश से कोर्ट व कलेक्टर को गुमराह किया

बंधक आवासीय भूखंड हड़पने का मामला उजागर

- कालोनाइज़र ने भूमाफिया के खिलाफ कार्यवाही करने की शिकायत दर्ज की

इंदौर। यहां के भू माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो गए कि उन्होंने राऊ तहसील के ग्राम सोनवाय स्थित आवासीय कॉलोनी रिगेन रिजेंसी के शासन के पास बंधक एक लाख वर्ग फीट भूखंड को हड़पने के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के फर्जी आदेश तैयार करवा कर आब्रिट्रेटर से एकपक्षीय फैसला करवाने के बाद उच्च न्यायालय से बंधक भूखंडों को प्राप्त करने के आदेश प्राप्त कर कलेक्टर को प्रस्तुत भूखंड हासिल करने का दावा प्रस्तुत किया। जबकि, अनुविभागीय अधिकारी से लेकर अपर कलेक्टर सभी ने कॉलोनी का विकास न होने तथा वहां फसल बोए जाने की रिपोर्ट दी है।

भूमाफिया मनीष बंसल और उनकी कंपनी सोनवाय मेगा टाउनशिप द्वारा फर्जी दस्तावेज के आधार पर शासन के पास विकास कार्य के लिए बंधक एक लाख वर्ग फीट प्लाट हड़पने का मामला तब प्रकाश में आया, जब तत्कालीन कलेक्टर डॉ इलैया राजा की कोर्ट मे रिगेन रिजेंसी के प्लॉटधारको की संस्था सोनवाय जनकल्याण समिति द्वारा कॉलोनी के विकास प्रकरण की सुनवाई के दौरान मनीष बंसल द्वारा कॉलोनी का विकास कर दिए जाने की झूठी जानकारी देकर शासन के पास बंधक प्लॉट उन्हें सौंपने का दावा किया गया। जिसका विरोध कर कॉलोनी का विकास न होने के साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने पर डॉ इलैया राजा ने अपर कलेक्टर कॉलोनी सेल को मौके का मुआयना कर विकास कार्य की जानकारी के आदेश दिए। कॉलोनी सेल द्वारा पीडब्ल्यडी, एमपीईबी और पीएचई के अधिकारियों की उपस्थिति में यह रिपोट प्रस्तुत की गई कि कॉलोनी का विकास नहीं हुआ है। वहां लगभग 10 करोड़ रुपए का विकास कार्य किया जाना बाकी है।

वास्तविकता यह है कि 2010 में मुंबई स्थित कंपनी यंग एंड ग्रो-रिएलटर्स ने सोनवाय स्थित सर्वे क्र. 400/1/2,400/2, 401, 406/1, 406/2, 408 रकबा 5.897 हेक्टेयर पर रिगेन रिजेंसी नामक आवासीय कॉलोनी विकसित करने के लिए आवश्यक शर्तें पूरी कर विकास अनुमति प्राप्त की। जिसे 3 वर्ष की अवधि में विकसित करने के लिए इंदौर स्थित निर्माण कंपनी सोनवाय मेगा टाउनशिप के तत्कालीन डायरेक्टर प्रकाश चन्द्र भोलाराम अग्रवाल को विकास के बदले 35त्न भूखंड देने का एक अनुबंध किया। जमानत के तौर पर यंग एंड ग्रो ने प्रकाशचन्द्र अग्रवाल की पत्नी राजकुमारी अग्रवाल के नाम से 20 प्लॉटों का विक्रय अनुबंध किया, जिसे विकास कार्य पूरा होने

के बाद समायोजित किया जाना तय था। लेकिन, उन्होने विकास कार्य न कर अपनी जगह मनीष बंसल को डायरेक्टर बना दिया। मनीष बंसल ने यंग एंड ग्रो से विकास कार्य के लिए 80 लाख रुपए प्राप्त कर उक्त राशि और 20 प्लॉटों को विकास कार्य के पश्चात मिलने वाले प्लॉटों से समायोजित करने का आश्वासन दिया। इसके बावजूद भी उन्होने विकास कार्य की अवधि समाप्त हो जाने तक कॉलोनी का विकास नहीं किया।

बंधक प्लाटों की रजिस्ट्री न करने के निर्देश

कॉलोनी का 3 साल की विकास अवधि में विकास न होने पर कॉलोनी के प्लॉट धारकों द्वारा अनुविभागीय अधिकारी को शिकायत की गई। इसका संज्ञान लेकर अनुविभागीय अधिकारी ने 2014 में कॉलोनी का निरीक्षण करने पर वहां फसल बोया जाना पाया गया।

कॉलोनी का विकास न होने की स्थिति में अनुविभागीय अधिकारी ने सितम्बर 2014 में एक आदेश जारी कर किशनगंज पुलिस को प्रकरण दर्ज करने तथा तहसीलदार को शासन के पास बंधक 98 प्लॉटों को कुर्क करने के साथ पंजीयक को बिना अनुमति बंधक प्लाटों की रजिस्ट्री न करने के निर्देश प्रदान किए गए।

धक प्लॉट पक्ष में जारी करने के आदेश

इस दौरान सोनवाय मेगा टाउनशिप के डायरेक्टर मनीष बंसल ने 2013 में कॉलोनी का विकास हो जाने पर बंधक प्लॉट जारी करने के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के कूटरचित दस्तावेज तैयार करवाकर कॉलोनाइजर की जानकारी के बगैर आर्बिट्रेटर पंकज गोयल से एक पक्षीय फैसला करवाकर बंधक प्लॉट उनके पक्ष में जारी करने के आदेश जारी करवा लिए। जबकि, 2014 में अनुविभागीय अधिकारी ने मौके का मुआयना कर वहां फसल बोए जाने और विकास न होने की तस्दीक की थी।

रिपोर्ट में असलियत सामने आई

भूमाफिया मनीष बंसल इतने पर भी नहीं रूका। उसने आब्रिटेशन को आधार बनाकर उच्च न्यायालय को गुमराह कर बंधक प्लॉट उन्हें जारी करवाने के आदेश जारी करवाकर सोनवाय जनकल्याण समिति विरूद्ध यंग एंड ग्रो रिएलटर्स प्रालि के प्रकरण में कलेक्टर को प्रस्तुत कर दिए। इस पर सोनवाय जनकल्याण समिति और कालोनाइज़र यंग एंड ग्रो द्वारा आपत्ति लेकर कॉलोनी का विकास न होने के साक्ष्य प्रस्तुत करने पर प्रकरण की सुनवाई कर रहे तत्कालीन कलेक्टर डॉ इलैया राजा भी हैरान हो गए।

उन्होने 24 अप्रैल 2023 को आदेश जारी कर अपर कलेक्टर कॉलोनी सेल को पीडब्ल्यूडी, पीएचई और एमपीईबी के वरिष्ठ अधिकारियां की उपस्थिति में रिगेन रिजेंसी कॉलोनी का विकास होने या न होने तथा अनुमानित विकास व्यय का आकलन कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कॉलोनी का विकास न होने के साक्ष्य

कलेक्टर के आदेश पर अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियां की उपस्थिति में अक्टूबर 2023 को निरीक्षण कर कॉलोनी का विकास न होने तथा उसमें 10 करोड़ रुपए के अनुमानित विकास व्यय की रिपोर्ट कलेक्टर को प्रस्तुत की गई।

कॉलोनी का विकास न होने पर भी अनुविभागीय अधिकारी के कूटरचित दस्तावेज बनाकर शासन के पास बंधक प्लॉट हड़पने का यह मामला अपनी तरह का अनोखा मामला हैं। इस प्रकरण में भूमाफिया मनीष बंसल द्वारा 2013 में कॉलोनी का विकास किए जाने का दावा किया जा रहा है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, रविवार 14 अप्रैल, 2024

संपादकीय | दोहरे मानदंड के आरोपों में घिरी आप

भ्रष्टाचार के सवाल पर अपने ही छोड़ रहे साथ

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक समय भ्रष्टाचार के खिलाफ हुए आंदोलन की बुनियाद पर खड़ी किसी पार्टी अब खुद इस मुद्दे पर दोहरा मानदंड रखने का आरोपों में घिर रही है और उसके उसके साथी साथ छोड़ रहे हैं। देश में पिछले कुछ समय से पार्टी बदलने या छोड़ने का जो चलन देखा जा रहा है, आम आदमी पार्टी यानी आप के राजकुमार आनंद के इस्तीफे को भी इसी के हिस्से के तौर पर देखा जा सकता है। मगर अपने इस्तीफे के क्रम में उन्होंने जिन सवालों पर पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल को कठघरे में खड़ा किया है, उसकी अनदेखी करना मुश्किल है।

उनका आरोप है कि आप में दलितों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है और तेरह राज्यसभा सांसदों में से एक भी दलित नेता को जगह नहीं देना एक तरह से पार्टी में इस तबके का अपमान है। इसके अलावा, जो पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन की वजह से पैदा हुई थी, वह आज भ्रष्टाचार के दलदल में फंस चुकी है और उसके पास कोई नैतिक बल नहीं रह गया है।

जाहिर है, कई आरोपों से घिरे नेताओं और यहां तक कि खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल में होने की वजह से जिस समय आप के सामने चुनौतियां गहरा रही हैं, उसमें इकलौते दलित नेता के साथ छोड़ने का नकारात्मक संदेश गया है और इससे पार्टी की मुश्किलें बढ़ी हैं। संभव है कि आप की ओर से इसे केंद्रीय एजंसियों के बेजा इस्तेमाल का नतीजा बताया जाए, मगर राजकुमार आनंद ने पार्टी छोड़ने की वजह के तौर पर जो मुद्दे उठाए हैं, उसके अपने आधार हैं।

शराब घोटाले में पार्टी के शीर्ष नेताओं की

गिरफ्तारी के मसले पर पार्टी अब तक आम जनता को अपने पक्ष या दलीलों से संतुष्ट नहीं कर पाई है। बल्कि अपने नेताओं पर लगे आरोपों के बाद पार्टी का जो रुख रहा, उससे यह सवाल उठा कि भ्रष्टाचार में घिरने के बाद लड़ने के लिए क्या पार्टी का इस्तेमाल किया जाना उचित है!

खासतौर पर तब जब पार्टी के लिए यही मुद्दा देश की राजनीति में अपनी जगह बनाने का सबसे मुख्य आधार रहा! इस लिहाज से देखें तो पिछले कुछ समय से भ्रष्टाचार को लेकर राजनीतिक स्तर पर आप और उसके नेताओं का जो रुख सामने आया है, वह कथनी और करनी के फर्क को ही दर्शाता है। सही है कि राजकुमार आनंद ने इस्तीफा देने के लिए जो समय चुना, उस पर सवाल उठ रहे हैं और उन पर प्रवर्तन निदेशालय या ईडी के छापे से जुड़े संदर्भ भी सामने आ रहे हैं। मगर भ्रष्टाचार के अलावा उन्होंने दलितों के प्रति आम आदमी पार्टी के रुख पर जो सवाल उठाए हैं, उसकी अनदेखी मुश्किल है।

इससे पहले पार्टी से जुड़े दलित पृष्ठभूमि के ही एक अन्य नेता राजेंद्रपाल गौतम को इसलिए अपने पद से हटना पड़ा था कि वे एक बौद्ध धम्म दीक्षा समारोह में शामिल हुए थे। शायद यही वजह है कि अपने इस्तीफे में राजकुमार आनंद ने पार्टी के दलित विरोधी होने का जो आरोप लगाया है, उसे अब एक मुद्दे के तौर पर देखा जा रहा है। आम आदमी पार्टी के प्रभाव वाले मुख्य राज्यों यानी पंजाब और दिल्ली के चुनावों में दलित समुदाय का समर्थन कुछ जगहों पर जीत-हार का फैसला तय करने में बड़ी भूमिका निभाता है। इसलिए इस मुद्दे की अहमियत समझी जा सकती है। ऐसे में भ्रष्टाचार पर दोहरा रवैया अपनाने के साथ-साथ पार्टी पर दलितों की उपेक्षा करने का आरोप अगर राजनीतिक मुद्दा बनता है, तो इसका असर आप के भविष्य की दिशा भी तय करने में अहम साबित हो सकता है।

सोशल मीडिया से...

कांग्रेस कहती है कि राम मंदिर भाजपा के लिए चुनावी मुद्दा है। राम मंदिर न चुनाव का मुद्दा था, न है और न होगा। राम मंदिर का संघर्ष तो तब से हो रहा था, जब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। राम मंदिर का संघर्ष तो 500 साल पुराना है, जब चुनाव का कोई नामोनिशान नहीं था।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

पीएम मोदी ने अपने सारे वादे पूरे किए हैं। मैं यहां पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2013 में आया था। उस समय यहां पर डर, दंगे, गौ तस्करी और गुंडों का राज चलता था। आपने समाजवादी पार्टी को हटाया और यहां पर डर, गुंडे और गौ तस्करी की जगह वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट का काम चालू हुआ और विकास आगे बढ़ा है।

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

भाजपा को पता है कि चाहें वे कितना भी जोर लगा लें, वे दिल्ली में अरविंद केजरीवाल को हरा नहीं सकता। दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल से प्यार करते हैं, दिल्ली के लोग आप को पसंद करते हैं और दिल्ली के लोग भाजपा की हरसंभव कोशिश के बाद आप को ही वोट देते हैं।

आतिशी, मंत्री दिल्ली सरकार

मैंने अनिल को अपने बेटे की तरह प्रमोट किया और अब वह जो भाषा बोलता है, उसे सुनकर मैं अवाक हूं। कांग्रेस में ऐसी संस्कृति नहीं है। काश वह अपने पिता एंटनी के प्रति अधिक सम्मान दिखाते और प्रेम से बात करते। यह उन्हें तय करना है और आपको उनसे पूछना है कि वह ऐसा क्यों बोलते हैं।

शशि थरूर, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

भीम मीम के अंतर्तत्व को समझें समाज बंधु

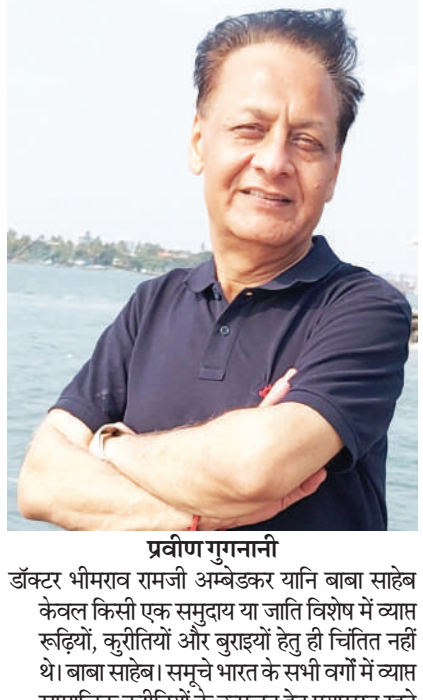

प्रवीण गुगनानी

डॉक्टर भीमराव रामजी अम्बेडकर यानि बाबा साहेब केवल किसी एक समुदाय या जाति विशेष में व्याप्त रूढ़ियों, कुरीतियों और बुराइयों हेतु ही चिंतित नहीं थे। बाबा साहेब। समूचे भारत के सभी वर्गों में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु प्रयासरत रहते थे। इस नाते ही वे मुस्लिम समुदाय में व्याप्त कुरीतियों के प्रति भी अत्यधिक चिंतित रहते थे। इस्लामिक महिला समुदाय को लेकर भी बाबा साहेब का एक समुचित दृष्टिकोण व रोडमैप था। बाबासाहेब के इस रोडमैप में मुस्लिम महिलाओं के हाव, भाव, स्वभाव, मानसिकता, स्वास्थ्य, आचरण, शिक्षा, सार्वजनिक जीवन में भूमिका, राजनीति में भूमिका, परिवार में उसकी सत्ता जैसे सभी विषय बड़े स्पष्ट थे। ये सभी तत्त्व उनके लेखन से झलकते हैं। दुखद विषय यह रहा कि, भारतीय मुस्लिम समुदाय ने कभी भी बाबासाहेब के विचारों को, इस्लाम की कुरीतियों के संदर्भ में गंभीरता से नहीं लिया। हाँ, भारतीय मुस्लिम नेताओं ने कुछ विभाजनकारी संगठनों के फेर में आकर ÷भीम मीम÷ जैसे सुंदर शब्दों को विद्रूप शब्दों में बदला व विभाजनकारी के साथ साथ देशद्रोही राजनीति भी अवश्य करने लगे! नारों नारों में भारतीय मुस्लिम समुदाय के स्वार्थी व वोट बैंकर प्रकार के नेताओं ने बाबासाहेब के नाम का दुरुपयोग मुस्लिम समुदाय को शेष भारतीय समुदाय से काटने, दूर करने, वैमनस्यता बढ़ाने, परस्पर मतभेदों हेतु किया। भीम मीम की राजनीति ने रचनात्मक भूमिका त्याग कर विध्वंसात्मक भूमिक अपनाई और मैग्नीफाइंग ग्लास से खोज-खोजकर समाज में असंतुष्टों व्यक्तियों व गुटों का निर्माण किया और विघ्नसंतोषी वातावरण निर्मित किया। मुस्लिम नेता व वोट बैंकर प्रकार के लोग जब-तब अपने हाथों में बाबासाहेब के नामवाला मैग्निफाइंग ग्लास उठाते हैं व ÷भीम मीम÷ जैसे पवित्र नाम पर समाजभंजन, विभाजन, मतभेद फैलाने का कार्य प्रारंभ कर देते हैं। वस्तुतः डॉक्टर भीमराव जी के नाम का सर्वाधिक भद्दे अर्थों में दुरुपयोग वोट बैंकर्स ने ही ÷भीम मीम÷ का नारा देकर किया है। बाबासाहेब की प्रतिष्ठा के लिए सर्वाधिक बुरे शब्द वर्तमान में ÷भीम मीम÷ ही है। हमारे समाज को चाहिये कि बाबासाहेब के नाम पर चलाये जा रहे इस प्रकार के विभाजनकारी को एजेंडे को तत्काल प्रभाव से अपने वैचारिक प्रवाह में से बाहर निकाल फेंके। ÷भीम-मीम÷ के नारे का प्रयोग रचनात्मक अभियानों हेतु अवश्य की किया जाना चाहिये। बबासाहेब ने कभी इस प्रकार की विभाजनकारी राजनीति का उपयोग नहीं किया था। बाबासाहेब ने जवाहरलाल नेहरू से अपमान सहा, प्रताड़ना झेली, राजनैतिक उपहास सहन किया किंतु उन्होंने कभी समझौता वादी राजनीति नहीं की थी। बाबासाहेब कभी देशविरोधी लोगों के साथ खड़े नहीं दिखे और न ही उन्होंने किसी भी रूप में स्वयं का दुरुपयोग देशविरोध में होने दिया। ÷बाबासाहेब व मुस्लिम समुदाय÷ पर बहुत कुछ लिखा जाना अभी बाकी है अभी यहां केवल मुस्लिम स्त्री विमर्श विषयक लेखन के संदर्भ में बाबासाहेब के विचार यहां समाहित किए जा रहे हैं। अब समय आ गया है, - हम ÷भीम-मीम÷ के नारे के दुराशयपूर्ण अंतर्तत्व को समझें व ÷भीम बाबा÷ की इच्छा के अनुरूप भारतीय मुस्लिम समुदाय की महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन लाएं। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा किए जा रहे मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों में वृद्धि, सामाजिक व पारिवारिक स्थिति में उनकी उच्चता के प्रयास, दुराचार पूर्ण मज़हबी रिवाजों पर प्रतिबंध जैसे उपाय, कुछ और नहीं बल्कि बाबासाहेब की मुस्लिम सम्बंधित कल्पना का ही एक भाग है। बड़ा आश्चर्य है कि, भारतीय मुस्लिम समुदाय की महिलाओं के विषय में बाबासाहेब के रोडमैप के ऊपर कोई बात ही नहीं करना चाहता है। इस्लामिक महिलाओं की तीन तलाक, हलाला, हिजाब, बुर्का, अशिक्षा, मुताह आदि कुरीतियों के प्रति बाबा साहेब ने अपने विचार ÷भारत अथवा पाकिस्तान का विभाजन÷ में स्पष्ट लिखे हैं।

कर्नाटक हिजाब के न्यायलीन प्रकरण में निर्णय देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय की पीठ ने एक सौ उनतीस पृष्ठीय विस्तृत निर्णय दिया था। इस निर्णय में बहुत सी पुस्तकों, विचारकों, दृष्टांतों व कथानकों को आधार बनाया गया था। हिजाब पर गठित इस न्यायिक पीठ ने लिखा है कि इस संदर्भ में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के विचार भी इसी तरह के हैं। बाबा साहब ने वर्ष 1945 अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ÷पाकिस्तान ऑर द पार्टीशन ऑफ इंडिया÷ के दसवें अध्याय में पहले भाग को लिखते समय सोशल स्टैगनेशन शीर्षक के अन्तर्गत लिखा है - ÷एक मुस्लिम महिला सिर्फ अपने बेटे, भाई, पिता, चाचा ताऊ और शौहर को देख सकती है या फिर अपने वैसे रिश्तेदारों को जिन पर विश्वास किया जा सकता है। वो मस्जिद में नमाज अदा करने भी नहीं जा सकती। बिना बुर्का पहने वो घर से बाहर भी नहीं निकल सकती। तभी तो भारत के गली कूचों सड़कों पर आती जाती बुर्कानशीं मुस्लिम औरतों का दिखना आम बात है। मुसलमानों में भी हिंदुओं की तरह और कई जगह तो उनसे भी ज्यादा सामाजिक बुराइयां हैं। अनिवार्य पर्दा प्रथा भी उनमें से ही एक है। उनका मानना है कि उससे उनका शरीर पूरी तरह ढंका होता है। लिहाजा शरीर और सौंदर्य के प्रति सोचने के बजाय वो पारिवारिक झंझटों और रिश्तों की उलझनें सुलझाने में ही उलझी रहती हैं क्योंकि उनका बाहरी दुनिया से संपर्क कटा रहता है। वो बाहरी सामाजिक कार्यकलाप में हिस्सा नहीं लेती लिहाजा उनकी गुलामों जैसी मानसिकता हो जाती है। वो हीन भावना से ग्रस्त कुंठित और लाचार किस्म की हो जाती हैं। कोई भी भारत में मुस्लिम औरतों में पर्दा प्रथा से उपजी समस्या के गंभीर असर और परिणामों के बारे में जान सकता है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय की इस पीठ ने अपने निर्णय में लिखा है - हमारे संविधान निर्माताओं में प्रमुख डॉक्टर अंबेडकर ने तो पचास वर्ष पूर्व ही पर्दा प्रथा की दोष व हानियां बताई थी। बाबासाहेब के ये विचार हिजाब, घूंघट और नकाब पर भी बराबर तौर से लागू होते हैं। ये परदा प्रथा किसी भी समाज और धर्म की आड़ में हो हमारे संविधान के आधारभूत समता और सबको समान अवसर मिलने के सिद्धांत के सर्वथा खिलाफ है। स्कूलों के ड्रेसकोड से अलग हिजाब, भगवा पटके, हेडगियर या अंगवस्त्र सहित धार्मिक प्रतीक चिह्न पहनना कतई उचित नहीं है. ये अनुशासन के भी खिलाफ है।

मुस्लिम समाज के कथित नेता बाबासाहेब का नाम सृजनात्मक संदर्भों में लेते ही नहीं हैं। ÷भीम मीम÷ का नारा नींद में भी उछालने वाले कुछ समाजतोड़क, देशतोड़क, विघ्नसंतोषी, कथित बुद्धिजीवी और अर्बन नक्सलाइट प्रकार के लोग भी इस संदर्भ में चुप्पी ही साधे रहते हैं। ये कथित लोग बाबासाहेब की, भीम मीम की बातें रात दिन रटेंगे किंतु केवल समाज विभाजन के कुटिल दुराशय के साथ। जब समाज निर्माण, समाज सुधार, रीति-नीति संशोधन, परंपरा परिष्करण, की बात आती है तो इस कथिक समाज तोड़क, विभाजनकारी वर्ग को बाबासाहेब के विचार स्मरण में ही नहीं आते हैं। वस्तुतः इस पेटमरोडू वर्ग का लक्ष्य भारतीय मुस्लिम समाज के विकास का नहीं बल्कि मात्र ÷यूज एंड थ्रो÷ तक ही सीमित होता है। आज की दृष्टि से देखें तो ÷भीम मीम÷ के नारे को तीन तलाक़ की बुराई के उन्मूलन के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीवंत और जागृत कर दिया है। नरेंद्र मोदी मुस्लिम स्त्रियों के संदर्भ में बाबासाहेब के लेखन व चिन्तन को अपने कार्यों व कृतित्व से साकार कर रहे हैं।

पराली जलाना जलवायु परिवर्तन के लिए समस्या, समाधान के उपाए

डॉ. सौरभ शर्मा

फसल अवशेष जलाने से वातावरण में विषैली गैसें जेसे कार्बन मोनोआक्साइड, कार्बन डाईआक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड तथा अन्य विषैली गैसें बढ़ जाती हैं जिनसे समूचा पर्यावरण प्रदूषित होता है तथा इसका दुष्प्रभाव मानव व पशु पक्षियों के स्वास्थय पर अधिक पड़ता है। फसल अवशेषों को जलाने से मृदा का तापमान बढ़ जाता है व मृदा सतह स त हो जाती है जिससे मृदा की जलधारण क्षमता तथा मृदा के वायु संचार में कमी आ जाती है। जिसके फलस्वरूप फसल उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। मृदा में उपस्थित लाभदायक सूक्ष्म जीवों पर प्रभावः मृदा की 15 सेंमी. तक की ऊपरी परत में सभी प्रकार के सकिय लाभदायक सूक्ष्म जीव जलकर नष्ट हो जाते हैं तथा लाभदायक मित्र कीट इत्यादि भी जलकर नष्ट हो जाते हैं। मृदा व फसल अवशेषों में उपस्थित पोषक तत्वों की हानिः मिट्टी व फसल अवशेषों में पाये जाने वाले बहुमूल्य पोषक तत्व जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश व अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व जलकर नष्ट हो जाते हैं, जिससे उत्पादकता प्रभावित होती है। मृदा में उपस्थित कार्बनिक पदार्थ पर प्रभावः मृदा में जीवांश ही एक मात्र ऐसा महत्वपूर्ण अवयव है जिसके द्वारा मृदा में उपस्थित विभिन्न पोषक तत्व फसलों को प्रदान किए जाते हैं। जीवांश पदार्थ ही मृदा संरचना को सुधारता है व मृदा के लाभदायक जीवाणुओं की सं या में वृद्धि करता है।

वोट की बर्बादी या लोकतंत्र की मजबूती, क्या करता है नोटा?

संदीप अग्रवाल

वोट न डालने वालों और नोटा चुनने के लिए मतदान केंद्रों पर जाने वालों में काफी फर्क होता है। जो मतदान स्थल तक जाते ही नहीं उनके भीतर नापसंदगी, गैरजिम्मेदारी, आलस्य, व्यस्तता, अरुचि जैसी बहुत सारी वजह हो सकती हैं, लेकिन नोटा बटन दबानेवालों के पीछे एक ही वजह हो सकती है कि वो अपने चुनाव क्षेत्र में खड़े किसी भी उम्मीदवार को चुने जाने योग्य नहीं मानता है। इसलिए समय निकालकर नोटा बटन दबाने जाता है।

वोट न डालना राजनीति से आपके मोहभंग का भी परिचायक है, जबकि नोटा को चुनना बताता है कि आपको राजनीति और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पूरा विश्वास है, मगर आपके सामने जो उम्मीदवार खड़े किए गए हैं, उनमें से किसी पर आपको विश्वास नहीं है। नोटा बेशक भारत में एक दशक पहले ही पेश हुआ है, लेकिन यह हमारे यहाँ लोकतंत्र के आगमन से पहले से अस्तित्व में है। नोटा दुनिया के कई देशों में अलग-अलग नामों से चलन में है। स्वीडन में बीसवीं सदी के आरंभ से ही खाली मतपत्र जमा करने को प्रोटेस्ट वोट के रूप माना जाता था। 70 के दशक में लोकतांत्रिक होने की प्रकिया में स्पेन ने भी ब्लैंक वोट को नोटा के रूप में अपनाया। वर्ष 2008 में बांग्लादेश ने नो वोट का विकल्प पेश कर दिया था। यूक्रेन में यह वर्ष 2010 में अगेंस्ट ऑल के नाम से पेश किया गया। रूस और बेलारूस में भी यह इसी नाम से वर्ष 2013 में लाया गया। पाकिस्तान और भारत में यह आया वर्ष 2013 में, नाम था नोटा। नेपाल में यह नन ऑफ द कैंडिडेट्स के नाम से प्रचलित है। इनके अलावा और भी कई देश हो सकते हैं, जिन्होंने पिछले एक-दो दशकों में लोकतंत्र को जवाबदेह बनाने और चुनाव सुधार के उद्देश्य से नोटा को अपनाया होगा।

भारत में नोटा को चुनाव विकल्पों में शामिल कराने में पीयूसीएल (पीपल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज) जैसे संगठनों की काफी बड़ी भूमिका रही है। पीयूसीएल ने वर्ष 2004 में चुनावों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने और मतदाता की गोपनीयता की रक्षा के लिए नोटा लाए जाने की माँग के साथ एक जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी। इसके आधार पर कोर्ट ने वर्ष 2013 के अपने एक ऐतिहासिक फैसले में चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि वह ईवीएम और बैलेट पेपर पर मतदाताओं के समक्ष नोटा को एक विकल्प के रूप में शामिल करे ताकि उन्हें नेगेटिव वोटिंग का अधिकार मिल सके। दिलचस्प बात यह है कि यह फैसला देने वाली पीठ में शामिल जजों ने इसे संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति के अधिकार का एक अंग माना था। सामाजिक संगठनों के समर्थन और सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने नोटा का रास्ता साफ कर दिया और भारतीय चुनाव आयोग ने वर्ष 2014 के आम चुनावों में इसे लागू कर दिया।

सिद्धांततः नोटा की ताकत यह है कि यह मतदाता को ज्यादा बुरे और कम बुरे उम्मीदवारों में से किसी एक को चुनने की मजबूरी से मुक्ति के साथ साथ किसी को भी न चुनने की शक्ति प्रदान करता है। लागू होने के दस साल के भीतर ही नोटा बटन दबानेवालों की संख्या में आश्चर्यजनक बढ़ोतरी हुई है।

वर्ष 2014 में नोटा को 1.08त्न वोट मिले थे, लेकिन, वर्ष 2019 में स्थिति में नोटा को कुल वोट का 1.06त्न प्रतिशत प्राप्त हुआ। इनको अगर आंकड़ों में देखें तो 2014 में कुल 60 लाख वोट नोटा को मिले वहीं 2019 में कुल वोट बढ़ने के कारण यह संख्या बढ़कर 65 लाख हो गई। यानी इतनी बड़ी संख्या में वोटरों ने किसी भी उम्मीदवार को इस योग्य नहीं माना कि उसे वोट देने लायक समझ सके।

नोटा के तहत प्रावधान है कि किसी चुनाव क्षेत्र में अगर नोटा को सबसे ज्यादा वोट शेयर मिलता है तो वहाँ दोबारा चुनाव आयोजित किए जाएगा। बेशक अभी तक हमने नोटा के कारण ऐसा कोई चमत्कार होते हुए नहीं देखा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भविष्य में भी ऐसा कभी नहीं हो सकता। नेपाल में वर्ष 2017 में भरतपुर महानगर और बहिराबस्ती नामक दो चुनाव क्षेत्रों में नन ऑफ द कैंडिडेट्स ने बाकी उम्मीदवारों से ज्यादा, क्रमशः कुल पड़े 90,000 वोटों में से 25,000 और 37,000 में से 11,000 वोट हासिल किए। इसका नतीजा यह निकला कि वहाँ फरवरी 2018 में नए उम्मीदवारों के साथ फिर से चुनाव हुए।

संक्षिप्त समाचार

1 के शेयर ने दिया 40000 प्रतिशत रिटर्न, हर दिन बदल रहा किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट से जुड़ी कुछ कंपनियों ने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। ऐसी ही एक कंपनी-हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स है। बीते कुछ साल में बीएसई-सूचीबद्ध इस माइक्रोकैप कंपनी के शेयर ने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के शेयरों ने केवल 5 वर्षों में 40000 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है। इस रिटर्न की वजह से निवेशकों की किस्मत बदली है। आपको बता दें कि बीते दिनों कंपनी ने फंड जुटाने की योजना के बारे में ऐलान किया था। इसके बाद से कई दिन से हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के शेयर में अपर सर्किट लग रहा था। हालांकि, शुक्रवार को शेयर लाल निशान पर बंद हुए। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शेयर की कीमत 389.05 रुपये थी। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 1.99 प्रतिशत टूटकर बंद हुआ था। अगर किसी निवेशक ने 5 साल पहले हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के इक्विटी शेयरों में 1 लाख रुपये का निवेश किया था और होल्ड बनाए रखे होंगे तो ऐसे निवेशकों की रकम 4 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। इस शेयर की कीमत करीब 5 साल पहले 1 रुपये के स्तर पर थी। हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के जरिए जानकारी दी है कि उसका बोर्ड अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए 12 अप्रैल को बैठक करेगा। बोर्ड कंपनी की बढ़ती व्यावसायिक जरूरतों को पूरा करने के लिए फंड जुटाने के प्रस्ताव पर भी विचार करेगा। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा- इक्विटी शेयर, वारंट, अन्य सिक्योरिटीज, निजी प्लेसमेंट, योग्य संस्थागत प्लेसमेंट, राइट्स इश्यू या ऐसे अन्य तरीके से कंपनी फंड जुटाएगी। कंपनी की बढ़ती व्यावसायिक जरूरतों के लिए फंड जुटाने का प्रस्ताव है। बता दें कि हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स इंफ्रा और रियल एस्टेट के कारोबार में लगी है। कंपनी ने तीसरी तिमाही में 10.29 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हासिल किया था।

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल कंपनी को दिया 65000 करोड़ का टेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में सुस्ती के बीच डिफेंस सेक्टर से जुड़ी कंपनी- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड या (एचएएल) के शेयर रॉकेट की तरह बढ़ने लगे। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर इंट्रा-डे के दौरान तीन प्रतिशत से अधिक बढ़ गया। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 3677 रुपये पर पहुंच गई। यह शेयर का ऑल टाइम हाई है। कारोबार के अंत में यह शेयर 2.05 प्रतिशत बढ़कर 3637.90 रुपये पर बंद हुआ। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों में उछाल की वजह कंपनी से जुड़ी एक खबर है। दरअसल, रक्षा मंत्रालय ने भारत में निर्मित 97 एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू जेट खरीदने के लिए कंपनी को टेंडर जारी किया है। इस टेंडर की कीमत 65000 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है और यह केंद्र सरकार द्वारा स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर के लिए दिया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर होगा। यह ऑर्डर भारतीय वायुसेना को मिग-21, मिग-23 और मिग-27 के अपने बेड़े को बदलने में मदद करेगा। पिछले एक महीने में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर ने 11.34 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं, एक साल में कंपनी ने निवेशकों को 158.8 फीसदी रिटर्न दिया है।

820 पर जाएगा अडानी पावर का शेयर ! कर्ज कम कर रही समूह की दिग्गज कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ साल में पावर सेक्टर से जुड़ी दो दिग्गज कंपनियां-अडानी पावर और टाटा पावर के शेयरों ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस दोनों ही कंपनियों ने दम दिखाकर निवेशकों को मालामाल किया है। गौतम अडानी समूह की पावर कंपनी अडानी पावर के शेयरों ने एक साल में अपने शेयरधारकों को 200 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

शेयर बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक अडानी पावर के शेयर अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से गिरावट का अनुभव कर रहे हैं। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना कि वैल्यूएशन के लिहाज से अडानी पावर के शेयर आकर्षक दिख रहे हैं। एक्सपर्ट ने मिड से लॉन्ग टर्म के निवेशकों को बाजार में करेक्शन का इंतजार करने की सलाह दी है। पेस 360 के सह-संस्थापक अमित गोयल ने कहा-अडानी पावर की बात करें तो लगभग 646 के 52 वीक हाई पर पहुंच गया था और यह अब लगभग 8 प्रतिशत गिर गया है। एसएस वेल्थस्ट्रीट की संस्थापक सुगंधा सचदेवा ने कहा- अडानी पावर के शेयर की कीमत जनवरी 2022 में लगभग 100 से बढ़कर वर्तमान में 595 हो गई है।

हालांकि, अडानी पावर के शेयर आकर्षक बने हुए हैं क्योंकि यह कंपनी लगातार कर्ज में कमी कर रही है। कंपनी की वर्तमान में 15.21 गीगावॉट से अपनी थर्मल क्षमता को 21 गीगावॉट तक विस्तारित करने की योजना भी है। ये पॉजिटिव संकेत हैं।

टारगेट प्राइस क्या है

पेस 360 के अमित गोयल ने कहा- हमारा आउटलुक टाटा पावर शेयरों की तुलना में अडानी पावर के शेयरों को जमा करने के पक्ष में है। फिर भी किसी विशेष स्टॉक में निवेश पर विचार करने से पहले पर्याप्त मार्केट करेक्शन की प्रतीक्षा करना समझदारी होगी। अडानी पावर का शेयर लंबी अवधि के नजरिए से 750 और फिर 820 के स्तर तक बढ़ने की क्षमता रखता है। एसएस वेल्थ स्ट्रीट की सुगंधा सचदेवा ने कहा कि अडानी पावर के शेयरों ने 500 प्रति शेयर के स्तर पर मजबूत आधार बनाया है। निवेशक बाय-ऑन-डिप्स स्ट्रैटजी को बनाए रख सकते हैं।

चौथी तिमाही में TCS ने कमाए 61,237 करोड़ रुपए, नेट प्रॉफिट 9.1 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। शेयर बाजारों को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि QyFY24 में उसका नेट प्रॉफिट 9.1 फीसदी बढ़कर 12,434 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, TCS के रेवन्यू में भी इजाफा हुआ है और यह वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 3.5 फीसदी बढ़कर 61,237 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

कैसी रही TCS के शेयर की चाल

शुक्रवार को क्स्थ्र पर, TCS के शेयर में मामूली तेजी देखी गई। यह 0.45 फीसदी चढ़कर 4000.30 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ।

जिले में खुलेंगे नए सात सीएम राइज स्कूल

इंदौर। जिले में सात स्कूलों को सीएम राइज में बदला गया है। अब इन स्कूलों को सीएम राइज की तर्ज पर सर्वसुविधा युक्त बनाया जाएगा। इन स्कूलों में एक शहरी क्षेत्र तो अन्य छह ग्रामीण क्षेत्र के हैं। जून तक इन स्कूलों को सीएम राइज की तर्ज पर सुविधाएं मिलना शुरू हो जाएंगी।जिले में 11 सीएम राइज स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। इनमें हाईटेक क्लास रूम, विशेषज्ञ शिक्षक, आधुनिक लैब सहित कई सुविधाएं दी जा रही हैं। इस शिक्षा सत्र से स्कूलों में बस सेवा भी शुरू होने जा रही है। जानकारी के अनुसार, स्कूली शिक्षा विभाग ने मार्च में आदेश जारी कर जिले के सात स्कूलों को सीएम राइज स्कूल में बदलने का निर्णय लिया है।इसमें अहिल्याश्रम क्र.-2, उमावि गौतमपुरा, उमावि बालक राऊ, हाईस्कूल मेण, उन्नत मिडिल स्कूल मानपुर, हाई स्कूल बरलई और उमावि चंद्रावतीगंज को शामिल किया गया है। विभाग के अफसरों ने बताया कि दूसरे चरण में शहरी क्षेत्र से सिर्फ अहिल्याश्रम क्र.-2 को ही शामिल किया गया है।

ये मिलेगी सुविधाएं- इन स्कूलों को सीएम राइज के रूप में इसी शिक्षा सत्र से शामिल कर लिया गया है। ऐसे में सबसे पहले रिक्त पदों पर नियुक्ति होगी। 15 से 20 लाख रुपये की अनुदान राशि मिलेगी, जिससे मूलभूत कार्य किए जाएंगे। संस्थान में गार्ड, हाउसकीपिंग स्टाफ, आइसीटी लैब, संगीत टीचर आदि की नियुक्ति होगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों के लिए अलग यूनिफार्म रहेगी। आने वाले समय में बस सुविधा भी मिलेगी। अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक नरेंद्र जैन ने बताया कि हाल ही में जारी हुए निर्देश में सात स्कूलों को सीएम राइज में शामिल किया गया है। जल्द ही यहां पर सीएम राइज के नियमानुसार सुविधाएं जुटाई जाएंगी।

2 difficulty levels for additional language in CBSE Class 12 under govt consideration

As the Central Board of Secondary Education (CBSE) prepares to align the school curriculum with the National Education Policy (NEP)-2020, including a shift from studying one language to two in Class 12, the government is considering offering students two levels of difficulty for the additional language — basic and standard. The two levels of difficulty offered could mirror the options available for mathematics in Class 10, where standard-level assesses higher mathematical abilities and the basic-level is easier. The latter is designed for students who do not wish to pursue mathematics beyond Class 10. Sources indicate that this measure is being considered to ensure that Class 12 students are not adversely affected by poor performance in the additional language. This proposal is expected to be discussed at a meeting of all CBSE-affiliated schools that the Board is likely to call after April 15, the source added.

The Indian Express reported on February 1 that the CBSE has proposed significant changes to the school curriculum to implement suggestions contained in NEP-2020. Among the proposed changes is an increase in the total number of languages studied: from two to three in Class 10 and from one to two in Class 12. According to the proposal, at least two of the three languages in Class 10 should be native to India, and in Class 12, at least one of the two languages should be native.

The national consultation of all CBSE schools will be called to deliberate how the above proposal should be implemented, and the two difficulty levels or the additional languages are among the options on the table. That apart, the schedule of introducing two Boards exams, as per the recommendations of NEP-2020, will also be discussed at this meeting, sources said. Education Minister Dharmendra Pradhan had announced earlier this year that students of Classes 10 and 12 will have the opportunity to take the Board exam twice to lessen burden and give them a chance at improvement. "Prime Minister Narendra Modi ji's vision through the NEP is to keep students stress-free, enrich them with quality education, keep students linked with culture and prepare them for the future. This is the formula for making India a developed country by 2047," Pradhan had said. "The timing of the two Board exams is a sticking point. Currently, it is held in February and results are out by May. In order to hold another exam, we have to be mindful that the result of the second exam is announced before admission to higher education institutions starts. This will have to be discussed at the meeting too," the source added.

यूटीडी में आगे बढ़ सकती है परीक्षा,चुनाव ड्यूटी के दौरान परीक्षा कराना मुश्किल

इंदौर। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के अध्ययन शालाओं की कमान संभालने वाले ज्यादातर विभाग अध्यक्षों की निर्वाचन कार्य में ड्यूटी लगाई गई है। अप्रैल के तीसरे सप्ताह में इन्हें ट्रेनिंग पर जाना पड़ सकता है। ऐसे में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) से संचालित पाठ्यक्रम की परीक्षाएं प्रभावित हुई हैं, जिसमें अप्रैल में होने वाली दूसरे और चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं शामिल हैं।अब चौथे सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को लेकर विभाग अध्यक्षों की ज्यादा चिंतित है, क्योंकि इनके प्लेसमेंट हो चुके है। संभवत- मई-जून के बीच विद्यार्थियों को जॉब ज्वाइन करना है। उससे पहले परीक्षा करवाकर रिजल्ट देना है। हालांकि परीक्षाओं के संबंध में निर्णय लेना बाकी है। अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा अब विभाग अध्यक्षों की ड्यूटी के संबंध में भी आदेश आ चुके हैं। अध्ययनशाला के विभाग अध्यक्षों-प्राध्यापक व सहायक प्राध्यापक को अलग-अलग निर्वाचन कार्य की जिम्मेदारी सौंपी है। अधिकांश लोगों की ड्यूटी चौराहों पर वाहनों की चेकिंग में लगाई गई है।आइएमएस-आइआइपीएस, ईएमआरसी, पत्रकारिता समेत ज्यादातर विभाग अध्यक्षों को अगले कुछदिन में ट्रेनिंग लेनी है। इस वजह से विभाग से जुड़े कार्य प्रभावित होने लगे हैं। नियमानुसार अप्रैल-मई के बीच विभागों में परीक्षा करवाई जाती है। मूल्यांकन कार्य भी पंद्रह दिनों में पूरा कर विभाग अपने स्तर पर विद्यार्थियों का रिजल्ट घोषित करते है, जिसमें प्राथमिकता स्नातक व स्नातकोत्तर अंतिम सेमेस्टर वाले छात्र-छात्राओं को लेकर रहती है। लोकसभा चुनाव के अंतर्गत इंदौर जिले में 13 मई को मतदान है। तब तक विभाग अध्यक्षों को ड्यूटी करनी होगी। इस दौरान परीक्षा करवाना थोड़ा मुश्किल होगा, क्योंकि शिक्षक भी निर्वाचन कार्यों की जिम्मेदारी संभाले हुए हैं। सोमवार को कुलपति डॉ. रेणु जैन और विभाग अध्यक्षों के बीच परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर चर्चा हो सकती है।

NTA announces CUET PG 2024 result

The National Testing Agency (NTA) on April 12 announced the CUET PG 2024 result. The result link is available at the official website — pgcuet.samarth.ac.in. Students are required to login at the candidate portal and enter their application number and date of birth. The NTA has also announced the subject-wise toppers.

This year, the exam was conducted between March 11 to March 28 as a computer based test (CBT) throughout India and in 24 cities outside India. This year, a total of 4.6 lakh students had registered for CUET PG 2024, which is a slight increase from last year's 4.5 lakh registrations. As per the data shared by NTA, the number of female registrations is higher than male registrations, similar to last year's trend.

For the academic session 2024-25, the CUET PG 2024 was conducted for about 4,62,603 unique registered candidates who were administered 7,68,414 tests. A total of 190 universities (central/state/private and others) are

participating in CUET PG this year, an NTA statement said while releasing the CUET PG result.

Last year, a total 459083 students (unique) registered for the exam, of which 209740 were male students, 249332 were female students and 11 transgender students. A total of 166548 were from the General category, 52088 were from the SC category, 38767 from ST category, 163807 from OBC category and 37873 from EWS category.

फिनटेक इंडस्ट्री में अशनीर ग्रोवर की री-एंट्री, मेडिकल लोन के लिए लॉन्च करेंगे ऐप

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनटेक कंपनी भारतपे के को-फाउंडर और पूर्व एमडी अशनीर ग्रोवर एक नए ऐप को लॉन्च करने वाले हैं। इस ऐप का नाम- जीरोपे होगा, जो मेडिकल लोन प्रोवाइड करने वाला है। इस ऐप की लॉन्चिंग के साथ अशनीर ग्रोवर फिनटेक इंडस्ट्री में दूसरी पारी की शुरुआत करेंगे। बता दें कि लंबे समय से भारतपे और अशनीर ग्रोवर के बीच कानूनी विवाद चल रहा है।

गूगल प्लेस्टोर लिस्टिंग के अनुसार जीरोपे अभी ट्रायल मोड में है। इसे थर्ड यूनिकॉर्न द्वारा विकसित किया गया है। ग्रोवर ने जनवरी 2023 में अपनी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर और चंडीगढ़ स्थित उद्यमी असीम घावरी के साथ थर्ड यूनिकॉर्न लॉन्च किया। थर्ड यूनिकॉर्न की स्थापना ग्रोवर ने भारतपे से बाहर निकलने के बाद की थी।

साल 2023 में क्रिकपे नामक एक फंतासी गेमिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था। यह कंपनी ड्रीम11, मोबाइल प्रीमियर लीग (एमपीएल) और गेम्स24×7 के माय11सर्कल जैसे प्रतिद्वंद्वियों को टक्कर दे रही है। इसने वीवेक वेंचर्स इन्वेस्टमेंट्स और रिशायु एलएलपी की भागीदारी के साथ हरु ग्रोथ फंड के नेतृत्व में सीड राउंड में 3.5 मिलियन डॉलर जुटाए। जीरोपे ऐप दिल्ली स्थित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मुकुट फिनवेस्ट के साथ साझेदारी में 5 लाख रुपये तक के तत्काल प्री-अप्रूव्ड लोन की पेशकश करेगा। ऐप वेबसाइट का कहना है कि इस सेवा का लाभ केवल भागीदारी वाले अस्पतालों में ही उठाया जा सकता है। बता दें कि अब फिनटेक कंपनियों समेत अन्य बैंकिंग प्लेटफॉर्म भी मेडिकल बेस्ड लोन देने के लिए नई-नई स्कीम लॉन्च कर रहे हैं। हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने अस्पताल के खर्च में कमी को पूरा करने के लिए कर्ज देने की योजना सहित कई नये उत्पाद पेश किये हैं। हेल्थकेयर लोन सुविधा उन ग्राहकों के लिए उपलब्ध है जिनके इलाज का खर्च बीमा राशि से अधिक है।

कंसल्टिंग फर्म बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और सिंगापुर स्थित वेंचर कैपिटल फर्म बी कैपिटल की एक संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का डिजिटल हेल्थकेयर बाजार 2030 तक 37 बिलियन का राजस्व जनरेट कर सकता है। इसमें से अकेले हेल्थकेयर फंडिंग 5 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए कोयला उत्पादन का लक्ष्य 17 करोड़ टन तय किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के दौरान देश में निजी उपयोग और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉक से 17 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है। बीते वित्त वर्ष में निजी उपयोग और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉक से 14.71 करोड़ टन सूखा कोयले का उत्पादन किया था, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 11.6 करोड़ टन कोयला उत्पादन से 26 प्रतिशत ज्यादा था।

एक अधिकारी ने कहा कि कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एम नागराजू ने चालू वित्त वर्ष के लिए कोयला उत्पादन लक्ष्य की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में 74 कोयला खानों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। अधिकारी ने कहा, ÷कोयला ब्लॉक आवंटियों को 2024-25 में 17 करोड़ टन उत्पादन लक्ष्य हासिल करने का भरोसा है।÷

भारतीय स्टार्टअप गुड गम ने च्यूइंग गम इंडस्ट्री में क्रांति ला दी, करोड़ों में खेल रहे भाई!

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टार्टअप के युग में इको-फ्रेंडली सॉल्यूशन ट्रेंड बन गए हैं। इसका एक बड़ा उदाहरण भारतीय स्टार्टअप गुड गम है। यह एक ऐसा ब्रांड है जिसने च्यूइंग गम इंडस्ट्री में क्रांति ला दी है। गुड गम 100 प्रतिशत बायोडिग्रेडेबल चीजों से बना है। यह प्लास्टिक वेस्ट को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। गुड गम के संस्थापक दो भाई हैं। इनका नाम भुवन बी नागोरी और मयंक बी नागोरी है। जब अपना आइडिया इन्होंने शार्क टैंक में पेश किया था तब जजों की ओर से ऑफरों की बरसात हो गई थी। आइए, यहां उनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कतिना पढ़े-लिखे हैं दोनों भाई

गुड गम अलग तरह का स्टार्टअप है। इसे बनाने का श्रेय नागोरी भाइयों को जाता है। बड़े भाई का नाम मयंक बी नागोरी है। छोटे का भुवन बी नागोरी। वे बेंगलुरु से ताल्लुक रखते हैं। दोनों की स्थायी समाधानों में साझा दिलचस्पी है। यह उनके रिश्ते को और गहरा कर देता है। 29 साल के मयंक बी.एम.एस. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से केमिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट हैं। नॉटिंघम यूनिवर्सिटी से उन्होंने फूड प्रोडक्शन मैनेजमेंट में पोस्टग्रेजुएट डिग्री हासिल की है। दूसरी ओर 24 साल के छोटे भुवन के पास क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु से बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री है। उन्होंने मास्टरपीस हार्डवेयर के लिए रिटेल सेल्स मैनेजर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। अक्टूबर 2021 में उन्होंने मयंक के साथ गुड गम की नींव रखी। गुड गम चारकोल, रास्पबेरी, दालचीनी और लेमन सहित अलग-अलग तरह के स्वादिष्ट फ्लेवर में आता है। इसकी सामग्री में चिकल ट्री सैप, एसेंशियल ऑयल, नैचुरल स्वीटनर्स और फलों के अर्क शामिल हैं। ये इन च्यूइंग गम को न सिर्फ बायोडिग्रेडेबल बल्कि किड्स-फ्रेंडली और डायबेटिक-फ्रेंडली भी बनाते हैं। संस्थापकों का टारगेट रेगुलर च्यूइंग गम के हानिकारक असर के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इन च्यूइंग गम में अक्सर पॉलीविनाइल एसीटेट होता है। इस केमिकल का इस्तेमाल टायर मैन्यूफैक्चरिंग में होता है।

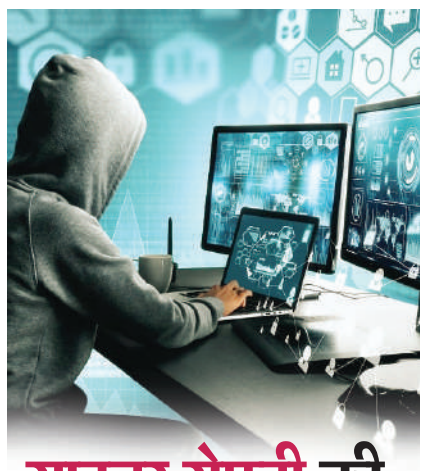

साइबर सेफ्टी की फील्ड में ब्राइट करियर है एथिकल हैकिंग

हैकर शब्द सुनते ही हम थोड़ा डर जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई कंपनीज हैकर्स को हायर करती हैं हैकर्स की मदद से कंपनीज सिस्टम के लूपहोल्स जानने की कोशिश करती हैं ताकि मेलिशियस एलिमेंट्स से डाटा बचाया जा सके। कंपनीज के लिए यह काम करने वाले कहलाते हैं, एथिकल हैकर्स। साइबर सेफ्टी की फील्ड में एथिकल हैकिंग आज एक ब्राइट करियर है।

आज टेक्नोलॉजी जितनी तेजी से बढ़ रही है, इंटरनेट पर साइबर क्राइम भी उतनी ही तेजी से बढ़ रहा है। इमेल एकाउंट हैक करना, सेंसिटिव डाटा चोरी करना, फर्जी मेल्स के जरिए पर्सनल डीटेल्स जानना, पासवर्ड्स डिटेक्ट करना कुछ ऐसे क्राइम्स हैं, जो हैकर्स आसानी से करते हैं. हालांकि इनके पीछे सिस्टम में मौजूद लूपहोल्स भी बड़ा कारण हैं। कंपनियां इन्हीं लूपहोल्स को डिटेक्ट करने के लिए हैकर्स की मदद लेती हैं, जिन्हें कहते हैं, एथिकल हैकर्स। आज एथिकल हैंकिंग एक फुल-फ्लेज्ड करियर बन चुका है।

क्या है एथिकल हैकिंग?

एथिकल हैकर कंप्यूटर एक्सपर्ट्स का नेटवर्क होता है, जो आईटी सिस्टम में मौजूद लूपहोल्स को ढूंढते हैं और उन्हें दूर करते हैं ताकि सिस्टम सेफ रहे और मेलिशियस हैकर्स इसे हैक न कर पाएं। इसे पेनिट्रेशन हैकिंग भी कहा जाता है। इस काम को करने वाले प्रोफेशनल्स टेक्निकली काफी स्किल्ड होते हैं।

कौन से कोर्सेज हैं जरूरी?

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएट होना या कंप्यूटर इंजीनियरिंग की डिग्री होना जरूरी है। इसके अलावा आपको सी, सी++, पायथन, रूबी जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेस की जानकारी होनी चाहिए।आप सर्टिफिकेट कोर्स इन साइबर लॉ, एमएससी इन साइबर फॉरेन्सिक्स एंड इन्फॉर्मेशन सेक्योरिटी, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साइबर लॉ, एडवांस डिप्लोमा इन एथिकल हैकिंग, सर्टिफिकेट इन इन्फॉर्मेशन सेक्योरिटी एंड एथिकल हैकिंग, सर्टिफाइड इन्फॉर्मेशन सिस्टम सेक्योरिटी प्रोफेशनल जैसे कोर्सेज कर सकते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

एक अच्छा एथिकल हैकर वही बन सकता है, जो कंप्यूटर सेवी और गैजेट फ्रेंडली हो। आपमें एनालिटिकल थिंकिंग और डेडिकेशन जैसी क्वॉलिटीज होनी चाहिए, साथ ही इनिशिएटिव लेने और प्रॉब्लम सॉल्व करने की एबिलिटी भी होनी चाहिए। नए चेंजेस एडैप्ट करना और खुद को अपडेट करते रहना भी जरूरी है। इसके अलावा सॉफ्टवेयर और सिस्टम को टेस्ट करते समय अचानक आने वाले ट्रबलशूट्स को डील करने की क्वॉलिटी भी आपमें होनी चाहिए।

इवेंट मैनेजमेंट में बनाएं अपना कॅरियर

इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं।

इवेंट मैनेजमेंट का अर्थ विशेष रूप से कार्यक्रमों, त्योहारों, संगोष्ठियों आदि जैसे कार्यक्रमों के डिजाइन और संचालन के लिए परियोजना प्रबंधन कौशल को लागू करना है। आज आईपीएल, साहित्य उत्सव, ओलंपिक या राष्ट्रमंडल खेलों सहित सभी प्रमुख आयोजनों का प्रबंधन इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा ही किया जाता है। मार्केट रिपोर्ट्स के मुताबिक इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में एमबीए उन युवाओं के लिए कई अवसर खोलेगा जो एक्शन, विविधता, चुनौती और बाहरी काम के शौकीन हैं। इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट को कई विश्वविद्यालयों में पेश किए जाने वाले जनसंचार का एक हिस्सा माना जाता है। इसलिए उम्मीदवार यूजी और पीजी स्तर पर इवेंट मैनेजमेंट कोर्स कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट खुदरा और विपणन क्षेत्र में बढ़ते रुझान के कारण तेजी से एक हॉट कैरियर विकल्प के रूप में पकड़ रहा है, जिसमें शामिल है -

- लक्षित दर्शकों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करना
- विजुअलाइज़िंग कॉन्सेप्ट्स
- योजना
- बजट
- निष्पादन की घटनाएं
- फैशन शो, संगीत कार्यक्रम, सेमिनार, प्रदर्शनियों, शादियों, थीम वाली पार्टियों, उत्पाद लॉन्च आदि पर काम करना।

इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर कैसे शुरू करें?

इवेंट मैनेजमेंट में अपना कॅरियर शुरू करने के लिए उम्मीदवारों को इस क्षेत्र में एक विशेष डिग्री हासिल करनी चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग होती है। उम्मीदवारों को उस पाठ्यक्रम की तलाश करनी चाहिए जिसका वे अध्ययन करना चाहते हैं और प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्रता की जांच करें। इवेंट मैनेजमेंट में अधिकांश एंट्री-लेवल जॉब्स इवेंट मैनेजमेंट में स्नातक की डिग्री या डिप्लोमा करके किया जा सकता है। हालांकि मेगा इवेंट आयोजित करने वाली बड़ी कंपनियों में प्रबंधकीय पदों या नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए उम्मीदवारों को प्रतिष्ठित संस्थानों से एमबीए या पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की आवश्यकता होगी।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए पात्रता मानदंड

उत्कृष्ट जनसंपर्क और नेटवर्किंग कौशल वाले स्नातक इस क्षेत्र का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि एक प्रतिष्ठित फर्म या कंपनी में इवेंट मैनेजर बनने के लिए अच्छे जनसंपर्क कौशल के साथ एमबीए की डिग्री होनी चाहिए। मार्केटिंग में अपने मास्टर के साथ जनसंपर्क में डिग्री होने से इस पेशे में एक अतिरिक्त लाभ होगा।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए स्किल्स और एट्रीब्यूट्स

एक इवेंट मैनेजर के पास अच्छा संचार कौशल होना चाहिए, चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आश्वस्त होना चाहिए और किसी स्थिति को समझने और ठीक से प्रतिक्रिया करने की क्षमता होनी चाहिए। उसके पास रचनात्मकता और संगठनात्मक कौशल होना चाहिए। टीम भावना और नेतृत्व कौशल अन्य पूर्वापेक्षाएँ हैं। उन्हें घटना के हर मिनट के विवरण को भी देखना होगा।

जॉब प्रोफाइल

इवेंट मैनेजमेंट प्रबंधन के नवीनतम क्षेत्रों में से एक है और लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। हालांकि इस क्षेत्र को अक्सर जनसंपर्क उद्योग की एक शाखा माना जाता है, यह बाजार का विस्तार कर रहा है और बहुत सारे रोजगार पैदा कर रहा है। विज्ञापन, पीआर और कॉरपोरेट कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद उम्मीदवार इवेंट मैनेजमेंट में भी अपना करियर बना सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में ढेरों नौकरियां उपलब्ध हैं। मौजूदा वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद, इवेंट मैनेजमेंट उद्योग लगातार तेजी से फल-फूल रहा है। बहुत सारे आयोजन होते हैं - शादियों, जन्मदिन पार्टियों और रियलिटी शो, फैशन और सांस्कृतिक शो पूरे देश में हो रहे हैं, जिससे कार्यक्रम योजनाकारों की मांग पैदा हो रही है। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में उपलब्ध जॉब प्रोफाइल इस प्रकार है -

- **वेडिंग प्लानर** - ऐसे जॉब प्रोफाइल में शादी के आयोजन से संबंधित हर मिनट के विवरण पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। एक वेडिंग प्लानर अपने ग्राहकों को विभिन्न विवाह समारोहों की योजना बनाने में मदद करता है।
- **स्टेज डेकोरेटर** - स्टेज डेकोरेटर इवेंट के लिए स्टेज लेआउट डिजाइन करने के लिए जिम्मेदार होता है। स्टेज डेकोरेटर की जिम्मेदारी में मंच पर प्रॉप्स को व्यवस्थित करना और रखना और मंच को आयोजन स्थल के अन्य सजावटी तत्वों के बीच खड़ा करना शामिल है।
- **रसद प्रबंधक** - रसद प्रबंधक घटना के लिए आवश्यक उपकरण, मेहमानों और अन्य चीजों के परिवहन के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है।
- **प्रदर्शनी आयोजक** - एक प्रदर्शनी आयोजक की नौकरी की रूपरेखा एक कार्यक्रम योजनाकार की तरह होती है। प्राथमिक अंतर यह है कि एक प्रदर्शनी आयोजक योजना बनाता है और साथ ही मेलों और प्रदर्शनियों को निष्पादित करता है।
- **इवेंट प्लानर** - इवेंट प्लानर किसी इवेंट के सभी विवरणों की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। घटना एक सम्मेलन, कॉर्पोरेट घटना या शादी हो सकती है। एक इवेंट प्लानर थीम, लॉजिस्टिक्स से लेकर बजट तक इवेंट के लिए एक योजना बनाता है।
- **इवेंट मैनेजर** - इस जॉब प्रोफाइल में प्रत्येक इवेंट के पहलू के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है। एक इवेंट मैनेजर का काम किसी घटना को बिना किसी परेशानी के अवधारणा बनाना, योजना बनाना, व्यवस्थित करना और निष्पादित करना है।

इवेंट मैनेजमेंट में करियर के अवसर

इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में पारिश्रमिक उम्मीदवार की नौकरी की भूमिका और जिम्मेदारी पर निर्भर करता है। इसके अलावा, संगठन का आकार, ग्राहकों की प्रोफाइल, पेशेवर का अनुभव और फर्म का स्थान जैसे कारक भी उम्मीदवार का वेतन तय करते हैं। हालांकि इवेंट मैनेजमेंट में एक फ्रेशर 10,000 रुपये से 15,000 रुपये प्रति माह के बीच मासिक वेतन की उम्मीद कर सकता है। अनुभव और विशेषज्ञता के क्षेत्र के साथ सैलरी बढ़ती है। एक कुशल फ्रीलांसर या एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के मालिक के रूप में काम करके काफी पैसा कमाया जा सकता है। एक बार जब कोई इवेंट मैनेजर इस क्षेत्र में अनुभव प्राप्त कर लेता है तो वह अपने क्लाइंट के आधार पर 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये या उससे अधिक की फीस की उम्मीद कर सकता है।

ऑनलाइन किचन बिजनेस की करें शुरूआत होगा मोटा मुनाफा

वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आइए जानते हैं कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं। कहते हैं कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। जिस काम से आपका और आपके परिवार का खर्च निकल जाए, तो वह काम सबसे अच्छे होता है। आज के दौर में सबका जॉब पाना सबसे थोड़ा मुश्किल काम है। ऐसे में लोग खुद का स्टार्टअप खड़ा करने की सोच रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी कम लागत के साथ अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। आज के समय में एक नहीं कई ऐसे ऑनलाइन बिजनेस हैं। जिनको आप घर बैठे-बैठे आसानी से चला सकते हैं।

आज हम आपके लिए एक ऐसे ही होम बेस्ड बिजनेस आइडिया लेकर आए हैं। आप इस काम को घर बैठे कम से कम लागत के साथ शुरू कर सकते हैं। वहीं महिलाएं इस काम को शुरू करके अच्छा खासा मुनाफा भी कमा सकती हैं। आपको बता दें कि आप घर से ऑनलाइन किचन बि?जनेस की शुरआत कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको अपने किचन में बने खाने को बेचना होगा। किचन खाने को बेचने के लिए आपको उसे पैककर ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप के जरिए लोगों तक पहुंचाना होगा। वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आपका जो मैन्यू होगा उसी के हिसाब से आपके पास ऑर्डर आएगा। तो आइए जानते हैं कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं।

कैसे शुरू करें बिजनेस

सबसे पहले इस बिजनेस को शुरू करने के लिए अपना किचन तैयार करें। फिर उस किचन रेस्टोरेंट का नाम तय कर लें। अब आपको FSSAI से फूड लाइसेंस लेना होगा। इसके लिए आपको ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके बाद फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, उबर, स्विगी और फूड पांडा आदि से अपने किचन रेस्टोरेंट को रजिस्टर करवा लें। फिर आपके यहां फूड डिलीवरी पार्टनर का एग्जीक्यूटिव विजिट करेगा। सब कुछ सही पाए जाने पर आपको अप्रूवल मिल जाएगा। जिसके बाद आपको ऑनलाइन ऑर्डर मिलने शुरू हो जाएंगे

ऐसे काम करेगा बिजनेस

बता दें कि जैसे ही आपको मोबाइल पर कोई ऑर्डर आता है, तो आप उस ऑर्डर के फूड को पैक कर दें। फूड पैकिंग के लिए आप किसी ऑनलाइन वेबसाइट से या मार्केट से जरूरी सामान खरीद सकते हैं। खाने का ऑर्डर लेने के लिए आपके पास डिलीवरी बॉय आएगा। डिलीवरी बॉय आपके ऑर्डर लेकर उस कस्टमर को देगा, जिसने खाना ऑर्डर किया था। इसके साथ ही फूड डिलीवरी एप और आपके बीच जो खाने के रेट को लेकर करार हुआ होगा। उसी हिसाब से वीकली आपके अकाउंट में पैसा आएगा।

हर दिन होगी इतनी कमाई

किचन रेस्टोरेंट की शुरूआत में हो सकता है कि आपको कम ऑर्डर मिले। लेकिन अगर आपके किचन से रोजाना 29 ऑर्डर मिले और आप हर ऑर्डर पर 50 रुपए की बचत करते हैं, तो हर दिन 1000 रुपए आपके पक्के होंगे। इस तरह के काम में किसी भी दिन छुट्टी नहीं होती है। ऐसे में आप महीने में कम से कम 30000 रुपए तक कमा सकते हैं। हांलाकि अगर आप चाहें तो शाम का समय भी फूड सर्विस के लिए चुन सकते हैं।

डेटा साइंटिस्ट फील्ड में बनाएं कॅरियर, मिलेगी जबरदस्त ग्रोथ

डेटा साइंस शब्द से अक्सर आप रूबरू होते होंगे। जाहिर सी बात है लोगों के दिमाग में डेटा साइंस को लेकर कई सवाल भी रहते होंगे। वहीं कुछ लोग इन सवालों का जवाब पाने के लिए इंटरनेट का सहारा भी लेते हैं। अगर आप भी डेटा साइंट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल करना चाहते हैं तो फिर यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डेटा साइंस से जुड़े सभी सवालों के जवाब देने की कोशिश करेंगे।

आपको बता दें कि जैसे-जैसे देश-दुनिया में डेटा का महत्व बढ़ रहा है। उसी तेजी के साथ डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिटिक्स जैसे जॉब के अवसर भी सामने आ रहे हैं। बता दें कि बताया जा रहा है कि आने वाले 10-15 सालों में इस कोर्स का स्कोप काफी ज्यादा होगा। इस सेक्टर में नौकरियों की भरमार होने वाली है। ऐसे में अगर आपको लैपटॉप और कंप्यूटर की अच्छी खासी जानकारी है। तो डेटा साइंस से जुड़ा कोई भी कोर्स आपके लिए है। इस फील्ड में आप अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

BTech- Data Science

यह का कोर्स चार साल का होता है। इसे आप रेगुलर मोड में भी किया जा सकता है। इस कोर्स में स्टूडेंट्स को डेटा से जुड़े टूल्स और टेक्निक्स सिखाये जाते हैं। जिसकी मदद से डेटा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस कोर्स में यह भी बताया जाता है कि उस डेटा को कैसे काम में लाया जाता है। साथ ही इंजीनियरिंग फिजिक्स से लेकर अलग-अलग थ्योरीज को पढ़ाया जाता है।

BSc-Data Science

यह डिग्री कोर्स तीन साल का है। इसमें कई तरह के डोमेन होते हैं। जैसे- बिजनेस एनॉलिटिक्स, कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आदि। इस कोर्स में छात्रों को बिजनेस और कंप्यूटर के साथ AI के बारे में भी बताया जाता है। डेटा साइंस में बिग डेटा एनॉलिटिक्स, मशीन लर्निंग और स्टैटिस्टिक्स जैसे कई कॉन्सेप्ट्स पढ़ाए जाते हैं। जिनके इस्तेमाल से आम लोगों से जुड़ी समस्याओं को हल किया जाता है। डेटा साइंस में BSc करने के लिए छात्रों के 12वीं में 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है। इस कोर्स को करने से लिए 12वीं में साइंस स्ट्रीम का होना जरूरी है। अन्य स्ट्रीम वाले स्टूडेंट्स को भी कुछ कॉलेज एडमिशन देते हैं। यहां पर कॅरियर ऑप्शन की कमी नहीं है। बैंकिंग जैसे क्षेत्र में डेटा साइंटिस्ट, प्रोसेस एनॉलिस्ट, बिजनेस, हेल्थकेयर और बिजनेस एनालिस्ट की नौकरियां उपलब्ध हैं।

BCA

यह भी तीन साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है। इस कोर्स में कंप्यूटर और मैथमैटिकल साइंस से जुड़ा करिकुलम छात्रों को पढ़ाया जाता है। आज की तेजी से बदलती आईटी इंडस्ट्री को ध्यान में रख कर ये कोर्स बनाया गया है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा साइंस से जुड़े कॉन्सेप्ट्स को और उनके एप्लिकेशन को समझाने पर जोर दिया जाता है। इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट्स के 12वीं में 50 फीसदी अंक होने जरूरी हैं। इस कोर्स में साइंस स्ट्रीम वाले छात्रों को भी सुविधा दी जाती है। छात्रों को कॅरियर बनाने के लिए अनेक मौके यहां पर उपलब्ध हैं। विप्रो, अमेजॉन जैसी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों में डेटा इंजीनियर, डेटा आर्किटेक्ट और डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर के पदों पर काम करने का मौका मिलता है।

डिप्लोमा इन डेटा साइंस

डेटा साइंस में डिप्लोमा दो साल का हो सकता है। इसमें स्टूडेंट्स को डेटा एनॉलिटिक्स और डेटा साइंस में ट्रेंड किया जाता है। बता दें कि डिग्री के मुकाबले डिप्लोमा कोर्स में कम खर्च होता है। इस कोर्स को करने से कम समय में ज्यादा स्किल्स सीखने का मौका मिलता है। 12वीं के बाद छात्र यूजी के बाद भी डिप्लोमा कर सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के बाद बिजनेस इंटेलीजेंस एनॉलिस्ट, रिसर्च एनॉलिटिक्स और एनॉलिटिक्स मैनेजर जैसे पदों पर काम करने के मौके हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

तकनीक के बढ़ते ब्यूग में ऑनलाइन कोर्सेज की काफी भरमार है। दुनिया की कई बड़ी कम्पनियां ऐसे कोर्सेज को लेकर आ रही हैं। इसी लिस्ट में डेटा साइंस का सर्टिफिकेट कोर्स भी शामिल है। इस ऑनलाइन कोर्स कराने वाली कोर्सएरा, उडेमी जैसी कंपनियां इस कोर्स को करवाती हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को कंप्यूटर साइंस और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का आना अनिवार्य नहीं है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और डेटा विजुअलाइजेशन जैसे कॉन्सेप्ट्स पढ़ाये जाते हैं।

आईपीएल डेब्यू में धमाके के बाद मैकगर्क की जुबां पर आई दिल की बात

मैंने भारत में जो देखा, वो कहीं नहीं देखा...

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की युवा सनसनी जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने आईपीएल डेब्यू में धमाका कर दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का हिस्सा मैकगर्क ने शुक्रवार को लखनऊ सुपर जांयट्स (एलएसजी) के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। वन डाउन उतरे मैकगर्क के बल्ले से 35 गेंदों में 55 रन निकले। उन्होंने दो चौके और पांच छक्के ठोके। उन्होंने पृथ्वी शॉ (19) के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 और कप्तान ऋषभ पंत (41) के संग तीसरे विकेट के लिए 77 रन की अहम साझेदारी की। डीसी ने 168 रन का टारगेट 11 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया।

मैकगर्क आईपीएल डेब्यू मैच में फिफ्टी जड़ने वाले 22वें खिलाड़ी हैं। डीसी ने चोटिल पेसर लुंगी एनगिडी के रिप्लेसमेंट के रूप में मैकगर्क को स्क्वॉड में शामिल किया था। वह 50 लाख रुपये के बेस प्राइस पर डीसी से जुड़े थे। आईपीएल डेब्यू में यादगार पारी खेलने के बाद 22 वर्षीय मैकगर्क की जुबां पर दिल की बात आ गई। उन्होंने भारत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत में आईपीएल में जैसे शानदार माहौल है, वैसा कभी अनुभव नहीं किया। उन्होंने मैच के बाद कहा, मैंने पिछले पांच-छह बाहर बैठकर बिताए हैं और मैदान पर उतरने के लिए उत्सुक रहा। मैं पहला गेम जीतने पर बेहद खुश हूं। मैं, बल्ले के बीच से खेलने की कोशिश की। बस गेंद को देखा और उसके अनुसार रिएक्ट किया, यही मैं पिछले 12 महीनों से कर रहा हूं और इसे क्यों ही बदलूं? मैकगर्क से जब पूछा गया कि उनका सबसे ज्यादा पसंदीदा शॉट कौन-सा रहा तो कंगारू बल्लेबाज ने कहा, मुझे कवर के ऊपर का शॉट बहुत पसंद आया।

मैं आमतौर पर ऑफ साइड पर इतने ज्यादा शॉट नहीं मारता। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जिसे मैं सीखना जारी रखूंगा। अपने स्ट्राइक रेट और साथ ही स्ट्राइक रोटेट करने पर फोकस कर रहा हूं। मेरा मानना है कि यह एक स्किल है जो अनुभव के साथ आएगी और ज्यादा मैच खेलने से निश्चित रूप से इसमें मदद मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा, मैं यहां (भारत में आईपीएल खेलना) आकर रोमांचित हूं। यह एक अलग दुनिया में कदम रखने जैसा है। मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। प्रत्यक्ष अनुभव शानदार रहा है। भारत में बेहतरीन वक्त गुजर रहा है।

पहली आईपीएल पारी में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए हाईएस्ट स्कोर

- ⊙116 - माइकल हसी (सीएसके) बनाम पीबीकेएस, मोहाली, 2008
- ⊙55 - जेक फ्रेजर-मैकगर्क (डीसी) बनाम एलएसजी, लखनऊ, 2024
- ⊙54 - विद्युत शिवरामकृष्णन (सीएसके) बनाम डीसी, चेन्नई, 2008
- ⊙54 - कुमार संगकारा (पीबीकेएस) बनाम सीएसके, मोहाली, 2008
- ⊙54 - अंगकृष रघुवंशी (केकेआर) बनाम डीसी, विशाखापट्टनम, 2024

हिटमैन बोले हम जीत सकते हैं भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, सन्यास पर कही ये बात...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उन्होंने अभी संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। घरेलू धरती पर विश्व कप का खिताब जीतने का मौका गंवाने के बाद रोहित को उम्मीद है कि भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 में खेलेगा।

36 वर्षीय रोहित, दक्षिण अफ्रीका में भारत की 2007 पुरुष टी20 विश्व कप जीत और इंग्लैंड में 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीत के सदस्य थे। वह और भारत घरेलू मैदान पर 2023 पुरुष वनडे विश्व कप खिताब जीतने की कगार पर थे, लेकिन अहमदाबाद में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार ने उन उम्मीदों को खत्म कर दिया। ये वही साल था जब भारत को लंदन के द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में भी हार मिली थी। रोहित ने ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस के एक एपिसोड में कहा कि मैंने वास्तव में संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। लेकिन, मैं नहीं जानता कि जिंदगी आपको कहां ले जाती है। मैं इस समय भी अच्छा खेल रहा हूं - इसलिए मैं सोच रहा हूं कि मैं इसे जारी रखूंगा।

कुछ और साल और फिर, मुझे नहीं पता कि मैं वास्तव में वह विश्व कप जीतना चाहता हूं और 2025 में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल होगा, उम्मीद है कि भारत इसमें सफल होगा। विश्व कप फाइनल के दुख के बारे में बात करते हुए, जहां भारत की दस मैचों की जीत का सिलसिला बुरी तरह समाप्त हुआ था। रोहित ने कहा कि मेरे लिए 50 ओवर का विश्व कप ही वास्तविक विश्व कप है। हम उस 50 ओवर के विश्व कप को देखकर बड़े हुए हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह भारत में हमारे घरेलू दर्शकों के सामने हो रहा था। हमने उस फाइनल तक बहुत अच्छा खेला, मैंने सोचा, ठीक है अब हम इससे एक कदम दूर हैं सभी चीजें ठीक से कर रहे हैं।

वह कौन सी चीज है जिसके कारण हम विश्व कप हार सकते हैं? ईमानदारी से कहूं तो मेरे दिमाग में एक भी बात नहीं आई, क्योंकि मुझे लगा कि हमने सभी मानकों पर सही का निशान लगा दिया है, हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं। हम सभी को लगा कि एक दिन बुरा होगा और मुझे लगता है कि वह हमारा बुरा दिन था।

धोनी की झलक के लिए फैन ने खरीदे 64,000 रुपए के आईपीएल टिकट

नईदिल्ली, एजेंसी। महेंद्र सिंह धोनी के भारत में एक से बढ़कर एक फैन है. उनकी दीवानगी फैंस के सिर पर चढ़कर बोलती है. धोनी के एक फैन ने दावा किया कि उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के टिकट को 64, 000 रुपये खर्च कर खरीदा, ताकि वो थाला का दीदार कर सकें.

इसके लिए इस फैन ने बेटियों की स्कूल फीस में देरी कर दी. उन्होंने कहा कि वह पहले टिकट लेना चाहते थे, जिस वजह से उन्होंने अपनी 3 बेटियों की फीस में देरी कर दी.

इस फैन के साथ उसकी तीन बेटियों ने थाला के मैच का दीदार किया.

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में इस फैन दावा किया. चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में केकेआर के खिलाफ मैच के टिकट इस फैन ने 64 हजार रुपए खर्च कर खरीदे. धोनी 8 अप्रैल को आईपीएल 2024 में केकेआर के खि?लाफ हुए मैच में बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे. इस मैच को चेन्नई सुपर किंग्स ने 7 विकेट से जीता था.

इस फैन ने दावा किया कि 64,000 रुपये खर्च कर जो टिकड खरीदे, उससे उन्होंने और उनकी 3 बेटियों ने मैच देखे. इस फैन ने दावा किया, मुझे टिकट नहीं मिला, इसलिए मैंने ब्लैक में 64,000 रुपये में टिकट खरीदे. मुझे अभी भी स्कूल की फीस जमा करनी है, लेकिन हम एमएस धोनी को सिर्फ एक बार देखना चाहते थे. इस फैन ने स्पोर्ट्सवॉक चेन्नई चैनल के साथ एक से यह बात कही.

सोशल मीडिया पर फैन्स ने उठाए सवाल

वहीं इस शख्स की बेटी ने एक वीडियो में कहा, मेरे पिता ने इन टिकटों को पाने के लिए बहुत मेहनत की है, जब धोनी खेलने आए तो हम बहुत खुश थे. हालांकि इस बात से सोशल मीडिया पर फैन्स काफी नाराज दिखे. उन्होंने शख्स की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े कर दिए, कई लोग इस फैसले की आलोचना करते हुए नजर आए.

चेन्नई की टीम आईपीएल 2024 में ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में खेल रही है. अब तक आईपीएल में उसने 5 मैच खेले हैं, जहां 3 में उसे जीत मिली है और 2 में हार. अब चेन्नई का अगला मुकाबला 14 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से होगा.

अपनी मानसिकता और शरीर को पहले रखना प्राथमिकता: जेसन रॉय

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय ने कहा है कि उन्हें अपनी मानसिकता और शरीर को पहले रखने के लिए मौजूदा आईपीएल 2024 सीजन से हटना पड़ा, जहां उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ खेलना था।

रॉय के आईपीएल 2024 से हटने का मतलब था कि केकेआर को इंग्लैंड के साथी सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट को साइन करना पड़ा। श्रेयस अय्यर के पीठ के निचले हिस्से की चोट के कारण

बाहर होने और शाकिब अल हसन के सीज़न के लिए उपलब्ध नहीं होने के बाद रॉय आईपीएल 2023 में केकेआर में आए और आठ मैचों में 35.63 की औसत और 151.60 के स्ट्राइक-रेट से 285 रन बनाए जिसमें दो अर्धशतक शामिल थे।

मुझे लगता है कि इस साल के आईपीएल को मिस करना एक बहुत बड़ा निर्णय था। केकेआर ने पिछले साल एक अच्छे वर्ष के बाद मुझे रिटेन करके मुझ पर इतना भरोसा किया और पूरे साल और अन्य सभी प्रतियोगिताओं में उनके लिए उपलब्ध रहा, मुझे लगा जैसे मैं उनका एहसानमंद हूं। रॉय ने द एथलीट्स वॉयस पॉडकास्ट के नवीनतम एपिसोड में कहा कि यह एक बहुत बड़ा निर्णय था, लेकिन मैंने यह निर्णय सिर्फ इसलिए लिया क्योंकि यह मेरी बेटी का पांचवां जन्मदिन था। मैं अपने साल की शुरुआत के बाद काफी थक गया था।

इस वर्ष, 2023 में भारत में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम से बाहर होने के बाद, रॉय ने आईएलटी20 के दो मैचों में अबू धाबी नाइट राइडर्स का प्रतिनिधित्व करने से पहले डरबन के सुपर जाइंट्स के लिए एसए20 खेला। वह पीएसएल 2024 में क्वेटा ग्लैडियेटर्स के लिए खेलेंगे। मैं बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेलकर आया हूं, इसलिए मैं केकेआर के प्रति बहुत ईमानदार था और हमारे बीच एक शानदार रिश्ता है। उन्होंने कहा, मैं क्यों नहीं आ रहा हूं, इस पर सहमति और इस तरह की बातें। वे पूरी तरह से समझ गए, इसलिए मैं इसके लिए उनका बहुत आभारी हूं, लेकिन मुझे खुद को सबसे पहले रखना था। रॉय की आईपीएल 2024 से वापसी भी दो साल पहले की सीख से हुई, जब उन्हें खेल से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने के लिए मजबूर होना पड़ा और गुजरात टाइटन्स के लिए आईपीएल 2022 से चूक गए।

वह मेरे लिए बहुत बड़ी सीख थी, आप जानते हैं कि इस वर्ष यह निर्णय लेने में सक्षम होना, और यह एक निश्चित तरीके से दिख सकता है। लेकिन इसका किसी और से कोई लेना-देना नहीं है। यह आपका निर्णय है - मेरा एक युवा परिवार है, मैं एक वयस्क व्यक्ति हूं और मैंने बहुत सारे विचारों के बाद यह निर्णय लिया है।

पांच मैचों की सीरीज में भारतीय हॉकी टीम की चौथी हार

ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से दी शिकस्त

पर्थ, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। पांच मैचों की शृंखला में यह मेहमान टीम की चौथी हार है।

बिजली कड़कने के कारण 40 मिनट देरी से शुरू हुए मैच में चारों गोल पेनाल्टी कॉर्नर पर आए। भारत ने कप्तान हरमनप्रीत की मदद से 12वें मिनट में बढ़त बनाई थी लेकिन जेरेमी हेवर्ड (19वां मिनट, 47 वां मिनट) ने दो और जैक वेल्क (54वां मिनट) ने ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की। पहले टेस्ट में भारत को 1-5, दूसरे में 2-4 और तीसरे में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड भारतीय सेना की हॉकी टीम की ओर से 1926 में किए गए दौरे के सौ वर्ष होने का जश्न मनाने जा रहा है। तीन माह तक चले इस दौरे की टीम में हॉकी के जादूगर ध्यानचंद भी शामिल थे। माना जाता है कि इसी दौरे से ध्यानचंद का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उदय हुआ था।

भारत में न्यूजीलैंड के राजदूत डेविड पाइन ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि 2026 दोनों देशों के संबंधों का विशेष वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि इस जश्न के लिए एक समिति का गठन हो चुका है और समय के अनुसार चीजें आगे बढ़ती चली जाएंगी। उन्होंने कहा कि हम हर खेल में भारत के साथ जुड़ाव का जश्न मनाएंगे। चाहे ये क्रिकेट हो, वेटलिफ्टिंग, जूडो या फिर बॉक्सिंग।

हमें उम्मीद है कि भारत के प्रधानमंत्री 2026 में इस जश्न में शामिल होने न्यूजीलैंड आएंगे। भारतीय हॉकी संघ के गठन के बाद 1926 में पहली बार न्यूजीलैंड टीम भेजी गई थी।

गरीबी में आटा गीला...लगातार हार के बीच आरसीबी को लगा तगड़ा झटका स्टार ऑलराउंडर मैक्सवेल हुए चोटिल

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए अब तक आईपीएल 2024 बहुत खराब रहा. टीम ने 6 मैच खेल लिए हैं, जिसमें उन्हें सिर्फ 1 में ही जीत नसीब हुई है. बेंगलुरु सीज़न में 1 जीत हासिल करने वाली इकलौती टीम है. 1 जीत के साथ टीम प्वाइंट्स टेबल में सबसे नीचे यानी 10वें पायदान पर मौजूद है. अब इन मुश्किल हालातों के बीच टीम को बड़ा झटका लगा है. टीम का स्टार ऑलराउंडर चोटिल हो गया है. दरअसल आरसीबी के लिए बिग शो कहे जाने वाले स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को अंगूठे में चोट लग गई है. एक रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए पिछले मैच में फील्डिंग के दौरान मैक्सवेल को चोट लगी थी. आकाश दीप की बॉलिंग पर ऑन साइड में फील्डिंग करते हुए मैक्सवेल का अंगूठा चोटिल हुआ था. चोट के बाद वह मैदान के बाहर चले गए थे. बेंगलुरु अपना अगला मैच 15 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी. हैदराबाद के खिलाफ मैक्सवेल बाहर हो सकते हैं.

मैक्सवेल ने अब तक इस सीज़न 6 पारियां खेल ली हैं, जिसमे 3 बार वह डक पर आउट हुए. इसके अलावा बाकी तीन पारियों में उन्होंने 03, 28 और 01 रन बनाया है. वहीं बॉलिंग में उन्होंने 4 विकेट झटके हैं.

चाय की दुकान खोलेगी मनीषा

मनीषा रानी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस 11' और 'झलक दिखला जा 11' जैसे शोज में काम किया है। वो 'झलक दिखला जा' की विनर भी रह चुकी हैं। इस शो को जीतने के बाद बिहार की मनीषा को लेकर खबर सामने आ रही है कि वो चाय की दुकान खोलने वाली हैं। ऐसे में चर्चा होने लगी है कि वो शोबीज छोड़कर ऐसा करेंगी या फिर कैसे तो चलिए बताते हैं आखिर क्या मामला है। मनीषा रानी अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। ऐसे में अब उनकी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खबर सामने आ रही है, जिसे जानने के बाद फैंस शॉक्ड हो गए हैं।

'झलक दिखला जा 11' की विनर रह चुकीं मनीषा ने खुलासा किया कि शो को जीतने के बाद उन्हें अपनी जीत के पैसे नहीं मिले हैं, जिसके बाद उन्होंने चाय की दुकान खोलने की बात कही। दरअसल, मनीषा ने अपने दोस्त ठकेश के साथ मजाक करते हुए कहा कि दोनों चाय की दुकान खोलेंगे। एक्ट्रेस कहती हैं कि वो इस दुकान को उनके साथ में चलाएंगी। मनीषा रानी ने 'झलक दिखला जा 11' में बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री की थी। इसमें उन्होंने बैक टू बैक दमदार परफॉर्मेंस दी थी। उन्होंने इस सीजन को जीता था। इस शो को जीतने के बाद उन्होंने 30 लाख रुपए की नकद राशि भी जीती थी। फराह खान, मलाइका अरोड़ा और अरशद वारसी 'झलक दिखला जा 11' में जज बने थे। अब मनीषा ने अपने लेटेस्ट वीडियो में खुलासा किया है कि उन्हें इनाम की राशि अबतक नहीं मिली है और वो लोग आधा काट भी लेंगे। आपको बता दें कि 'झलक दिखलाजा 11' जीतने से पहले मनीषा रानी ने 'बिग बॉस ओटीटी 2' में एंट्री की थी। इसके जरिए उन्होंने काफी लाइमलाइट बटोरी थी। सलमान खान के इस शो से एक्ट्रेस को काफी नेम और फेम मिला। शो में मनीषा का अभिषेक मल्हान के साथ गहरा रिश्ता बन गया था। वहीं, एल्विश यादव के साथ भी उनकी बॉन्डिंग देखने के लिए मिली है।

फिल्म डंक - वन्स बिटन ट्वाइस शाइ से हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं निधि

एक्ट्रेस निधि अग्रवाल अपनी अपकमिंग ओटीटी डेब्यू फिल्म डंक - वन्स बिटन ट्वाइस शाइ को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। वह पहली बार बिकनी अवतार में नजर आएंगी। एक्ट्रेस थोड़े अंतराल के बाद हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं। वह पिछली बार 2017 में हिंदी फिल्म मुन्ना माइकल में नजर आई थीं। प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित इस फिल्म में सुचित्रा कृष्णमूर्ति और विनय पाठक के साथ तुषार कपूर और शिविन नारंग भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। डंक के बारे में बात करते हुए निधि ने कहा- तेलुगु, तमिल और हिंदी में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के बाद अब मैं एक छोटे अंतराल के बाद हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हूं और साथ ही दक्षिणी फिल्म परिदृश्य पर भी अपना दबदबा बना रही हूं। एक्ट्रेस ने कहा कि उनके पास रोमांचक परियोजनाओं की भरमार है। उन्होंने कहा, मैं वर्तमान में महान पवन कल्याण और राजा साब के साथ एक मनोरम पीरियड फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में काम कर रही हूं। जहां मैं प्रतिभाशाली प्रभास के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हूं। निधि ने कहा, उम्मीद बहुत अधिक है क्योंकि दोनों फिल्में इस साल रिलीज होने वाली हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों को लुभाने का वादा करती हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि इन सबके बीच उनकी नजर एक स्क्रिप्ट पर पड़ी, जो मुझमें गहराई से समा गई और इसने मेरे अंदर एक असाधारण प्रदर्शन देने की उत्सुकता जगा दी। निधि ने कहा, दक्षिण में दो नायकों और एक अन्य आशाजनक स्क्रिप्ट के साथ मैं सिनेमाई परिदृश्य में धूम मचाने के लिए तैयार हूं।

नितेश तिवारी की रामायण से जुड़े यश

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म रामायण काफी समय से चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म में रणबीर कपूर के भगवान राम और साईं पल्लवी के माता सीता का किरदार निभाने की खबरें हैं। वहीं फिल्म की अन्य कास्ट को लेकर भी कई स्टार्स के नाम सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में साउथ स्टार यश रावण का किदरार निभाएंगे। भले ही यश के इस फिल्म में काम करने को लेकर कोई आधिकारिक खबर सामने नहीं आई हो, लेकिन वह रामायण से जुड़ जरूर गए हैं। यश रामायण को को-प्रोड्युस करने जा रहे हैं। यश, नमित मल्होत्रा के साथ मिलकर इस मल्टीस्टार फिल्म का निर्माण करने जा रहे हैं। नमित की प्रोडक्शन कंपनी प्राइम फोकस स्टूडियोज और यश की मॉन्स्टर माइन्ट क्रिएशंस ने रामायण के लिए हाथ मिलाया है। यश ने कहा कि उनका लंबे समय से लक्ष्य रहा है कि वे ऐसी फिल्में बनाएं जो इंडियन सिनेमा को एक ग्लोबल लेवल पर दिखाए। यश ने कहा कि मैं सबसे अच्छे वीएफएक्स स्टूडियो में से एक के साथ हाथ मिलाने के लिए लॉस एंजिल्स गया और मुझे खुशी हुई कि उस वीएफएक्स स्टूडियो को चलाने वाला एक भारतीय है।

संक्षिप्त समाचार

संभावना के आधार पर दोषमुक्ति रद्द नहीं हो सकती

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अपीलीय न्यायालय किसी मामले में केवल संभावना के आधार पर दोषमुक्ति के आदेश को नहीं पलट सकता है। शीर्ष न्यायालय में जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुयन की पीठ ने कहा कि अपीलीय न्यायालय में प्रस्तुत रिकार्ड से जब तक यह पता न चले कि दोषमुक्त करार दिया व्यक्ति दोषी हो सकता है, तब तक दोषमुक्ति के आदेश में हस्तक्षेप न किया जाए। पीठ ने कहा कि अपीलीय न्यायालय यदि दोषमुक्ति के आदेश को पलटता है और बरी हुए व्यक्ति को दोषी ठहराता है तो उसके लिए न्यायालय को साक्ष्य आधारित ठोस कारण बताना होगा। अगर व्यक्ति को दोषी ठहराने वाला साक्ष्य उपलब्ध नहीं है तो अपीलीय न्यायालय उसकी दोषमुक्ति के आदेश को बदल नहीं सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह व्यवस्था हत्या के एक मामले में दी है, जिसमें सत्र न्यायालय ने आरोपित व्यक्ति को दोषमुक्त करार दिया था, बाद में हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को पलट दिया। जस्टिस ओका ने अपने आदेश में लिखा है कि यह न्याय व्यवस्था का स्थापित नियम है कि दोषमुक्ति के किसी मामले में अपीलीय न्यायालय किसी साक्ष्य पर आधारित व्याख्या कर सकता है, न कि साक्ष्य के बगैर संभावना या आशंका के आधार पर पूर्व निर्णय को बदल सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के हत्या के जिस मामले में यह व्यवस्था दी है उसमें पांच जुलाई, 1997 को सत्र न्यायालय ने आरोपित को दोषमुक्त करार दिया था। जबकि हाईकोर्ट ने 14 दिसंबर, 2018 के आदेश में दोषमुक्त व्यक्ति को दोषी करार दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है।

वंदे भारत जैसी सुविधा, किराया राजधानी से भी कम; 50 अमृत भारत ट्रेनें चलाने की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। रेलवे बोर्ड ने चालू वित्तीय वर्ष में आम रेल यात्रियों के लिए 50 अमृत भारत ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। सभी ट्रेनों में स्लीपर-जनरल कोच होंगे। केसरिया रंग की इन अमृत भारत ट्रेनों को पुल-पुश तकनीक से 130 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार पर दौड़ाया जाएगा। औसत गति अधिक होने के कारण यह ट्रेनें राजधानी एक्सप्रेस से भी कम समय लेंगी। इनके कोच में सुविधाएं मेल-एक्सप्रेस से बेहतर होंगी। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष (2024-25) में अमृत भारत ट्रेनों के कुल 1230 कोच का उत्पादन करने का फैसला किया गया है। इसमें स्लीपर श्रेणी (एलडब्ल्यूएससीएच) के 600 कोच, जनरल श्रेणी (एलडब्ल्यूएस) के 440 कोच और गार्ड-स्लीपर श्रेणी (एलएसएलआरडी) के 130 कोच का उत्पादन किया जाएगा। इस प्रकार वित्तीय वर्ष में कुल 50 अमृत भारत ट्रेनों को चलाया जाएगा और इनके कोच स्लीपर-जनरल होंगे। यानी अमृत भारत आम रेल यात्रियों की ट्रेनें होंगी। अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में दो अमृत भारत ट्रेनें आनंद विहार-अयोध्या और दिल्ली-दरभंगा के बीच चलाई जा रही हैं। चरणबद्ध तरीके से इनकी संख्या 52 तक करने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि भारतीय रेल में अमृत भारत ऐसी ट्रेनें हैं जिसमें जर्क (झटके) नहीं लगेंगे। क्योंकि इसमें सेमी स्थायी कप्लर लगे हैं। यह एलएचबी तकनीकी का विकसित वर्जन है। पुल-पुश तकनीक होने के कारण अमृत भारत ट्रेनों की औसत रफ्तार राजधानी ट्रेनों की अपेक्षाकृत अधिक होगी। जिससे ये ट्रेनें गंतव्य तक पहुंचने में राजधानी एक्सप्रेस से भी कम समय लेंगी। जबकि किराया राजधानी से कम होगा। पूरी ट्रेन में बगैर प्लेटफार्म पर उतरे कोच के भीतर से आखिरी कोच तक पहुंचा जा सकता है। वर्तमान में नॉन एसी कोच में यह सुविधा नहीं है। लगेज रखने के जगह ऊंची व चौड़ी है। जनरल श्रेणी के कोच के बर्थ में भी कुशन लगाए गए हैं। विकलांगों को ध्यान में रखते हुए ट्रेन के आगे व पीछे विशेष प्रकार के एसएलआर कोच लगे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने डीडीए की अपील को किया खारिज

सैकड़ों निजी स्कूलों में बिना शुल्क दिए संसाधनों के विस्तार का रास्ता साफ

नईदिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट स्कूलों के लिए गुड न्यूज है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की अपील को खारिज करते हुए राजधानी के सैकड़ों निजी स्कूलों में बिना शुल्क दिए संसाधनों के विस्तार का रास्ता साफ कर दिया है। इस फैसले से आने वाले समय में निजी स्कूलों में दाखिले को लेकर होने वाली मारामारी कम होगी, क्योंकि लगभग डेढ़ लाख तक अधिक दाखिले हो पाएंगे।

जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और अरविंद कुमार की बेंच ने दिल्ली हाईकोर्ट के 2021 के फैसले को चुनौती देने वाली डीडीए की विशेष अनुमति याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यदि निजी स्कूल द्वारा संसाधनों के विस्तार (अतिरिक्त बिल्डिंग बनाने या मंजिलों की संख्या बढ़ाने) के लिए अतिरिक्त एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) का इस्तेमाल किया जाता है तो डीडीए किसी तरह का शुल्क लेने का हकदार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि सभी तथ्यों और पक्षकारों को सुनने के बाद हम हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने के इच्छुक नहीं हैं। बेंच ने यह टिप्पणी करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ डीडीए की अपील खारिज कर दी।

निजी स्कूलों के संघ एक्शन कमेटी की ओर से वकील कमल गुप्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से निजी स्कूलों में हर साल दाखिले में होने वाली मारामारी खत्म होगी। दरअसल, पिछले कई दशकों से दिल्ली की जनसंख्या में कई गुना बढ़ोतरी और स्कूलों की कमी के चलते हर साल दाखिले में मारामारी होने लगी। तब शहर के योजनाकारों ने बच्चों को आसानी से दाखिला मिले, इसके लिए अधिक स्कूलों की आवश्यकता को पहचाना और इस कमी को दूर करने के लिए मौजूदा स्कूलों की क्षमता में वृद्धि/अपग्रेड करने का सुझाव सरकार को दिया। योजनाकरों का मानना था कि दल्ली में जमीन सीमित है, इसलिए उन्होंने स्कूलों की कमी को पूरा करने के लिए मौजूदा स्कूलों को ही अपग्रेड करने का सुझाव दिया। इसके बाद मौजूदा शैक्षणिक संस्थानों/स्कूलों को फ्लोर एरिया अनुपात (एफएआर) में वृद्धि करके बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए 7 फरवरी, 2007 में मास्टर प्लान 2021 में अतिरक्ति एफएआर का प्रावधान किया गया। मास्टर प्लान 2021 के प्रावधान के तहत स्कूलों द्वारा अतिरिक्त एफएआर का इस्तेमाल करने के लिए डीडीए ने 29 अगस्त, 2008 को स्कूलों से आवंटन के समय जमीन की कीमत का 10 फीसदी रकम जमा करने का आदेश दिया। डीडीए के आदेश के खिलाफ निजी स्कूलों के संघ एक्शन कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर इसे रद्द करने की मांग की। स्कूलों ने हाईकोर्ट में कहा कि डीडीए को अतिरिक्त एफएआर के बदले पैसे मांगने का कोई अधिकार नहीं है।

रेप केस का डर दिखा करते थे डिजिटल अरेस्ट, 50 लोगों से करोड़ों की ठगी

5 गिरफ्तार, भोपाल तक जुड़े तार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की रोहिणी साइबर पुलिस ने फर्जी पुलिसकर्मी बनकर रेप केस में गिरफ्तारी का डर दिखाकर परिजनों से वसूली करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने भोपाल से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 41 सिम कार्ड, चार फोन और 18 बैंक पासबुक बरामद की हैं। अभी तक गिरोह की ओर से पचास लोगों से पांच करोड़ रुपये ठगने की आशंका जताई जा रही है।

डीसीपी जीएस सिद्धू ने बताया कि रोहिणी सेक्टर-4 निवासी दीपक कुमार ने 7 मार्च को दी अपनी शिकायत में बताया था कि उन्हें अंजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उसका बेटा दुष्कर्म के मामले में पुलिस हिरासत में है। उसने 70 हजार रुपये देने पर बच्चे को छोड़ने की बात कही और रुपये नहीं देने पर उसे जेल भेजने की धमकी दी। दीपक ने बेटे से बात कराने को कहा तो ठगों ने उसकी किसी शख्श से रुंधी सी आवाज में बात भी कराई। इसके पर पीड़ित ने 70 हजार रुपये बताए हुए बैंक खाते में जमा करा दिए। इसके बाद उन्होंने बेटे को फोन किया तो पता चला कि वह अपने दोस्तों के साथ घूम रहा था। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाने में केस दर्ज कर लिया गया। साइबर थाने के एसएचओ चैतन्य अभिजीत की देखरेख में एसआई अंकित यादव और एसआई अंकुर तोमर की टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने बैंक खातों की जांच शुरू कर गुरुवार को भोपाल से विश्वजीत गिरी को दबोचा। उसकी निशानदेही पर सुधीर पाल, रवि, कुंजीलाल और माया सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया।

मेट्रो ट्रेन में चोरी करने वाली 5 महिलाएं गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने जेब काटने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए मेट्रो ट्रेन में पर्स एवं बैग चुराने के आरोप में पांच महिलाओं को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि यह गिरोह ट्रेन में महिला यात्रियों का ध्यान भटकाने और चोरी के लिए अपने बच्चों का इस्तेमाल ट्रेन में झगड़ा करने की खातिर करता था। पुलिस के अनुसार यह मामला मंगलवार को तब सामने आया जब एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि उसका पर्स मेट्रो ट्रेन में उस वक्त चोरी हो गया, जब वह राजीव चौक मेट्रो स्टेशन और राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन के बीच यात्रा कर रही थी। शिकायत के अनुसार पर्स में 50,000 रुपए और उसका पैन कार्ड था। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त (मेट्रो) केपीएस मल्होत्रा ने कहा कि महिला की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने कहा, जांच के दौरान टीम ने राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की जांच की और शिकायतकर्ता के राजेंद्र प्लेस स्टेशन पहुंचने तक की आवाजाही पर नजर रखी। टीम ने जब मेट्रो कोच के सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो यह पाया कि भीड़ में पांच महिलाओं ने शिकायतकर्ता को चारों तरफ से घेर लिया था।

पतंजलि के शहद का नमूना जांच में फेल, एक लाख रुपयों का लगा जुर्माना

नईदिल्ली, एजेंसी। पतंजलि का पैक्ड शहद का नमूना जांच में फेल होने पर ऐक्शन हुआ है। न्याय निर्णायक अधिकारी ने नमूने के जांच में फेल होने पर ऐक्शन लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीब चार साल पहले उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के डीडीहाट से लिए किए पतंजलि के पैक्ड शहद का एक नमूना जांच के लिए एकत्रित किया गया था। नमूने में सुक्रोज की मात्रा दोगुनी से ज्यादा थी। मामले में शुक्रवार को न्याय निर्णायक अधिकारी ने डीडीहाट के विक्रेता और रामनगर की डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी पर एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरके शर्मा ने बताया, जुलाई 2020 में विभाग ने डीडीहाट स्थित गौरव ट्रेडिंग कंपनी से पैक्ड पतंजलि शहद का नमूना एकत्रकर जांच को रुद्रपुर स्थित लैब भेजा था। जांच में शहद में सुक्रोज की मात्रा मानकानुसार पांच फीसदी की जगह 11.1 प्रतिशत (करीब दोगुने से अधिक) पाई गई।

शर्मनाक! इमरजेंसी में भर्ती मरीज को नहीं दी व्हीलचेयर, 23 साल के बेटे को गोद में उठाकर ले गया पिता

नईदिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती मरीज को व्हीलचेयर नहीं मिल पाई। इससे शुक्रवार को 55 साल के पिता बेटे को गोद में उठाकर जांच के लिए ले जाना पड़ा। हालांकि, मामला अस्पताल प्रबंधन के संज्ञान में आने के बाद जांच स्थल पर मरीज को व्हीलचेयर मुहैया करा दी गई।

विजयनगर के सुदामापुरी निवासी रफीक का 23 वर्षीय बेटा तौफीक एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में गुरुवार से भर्ती है। उसे पीलिया और कमजोरी की शिकायत है। गुरुवार से उसके टेस्ट कराए जा रहे हैं। गुरुवार को उसकी टीबी की जांच कराई गई। शुक्रवार को फिजिशियन ने पूरे शरीर का सीटी स्कैन कराने की सलाह दी। इमरजेंसी से स्टाफ ने मरीज के पिता रफीक को ही जांच कराकर लाने के लिए कह दिया। उन्हें व्हीलचेयर तक नहीं दी गई। इसकी वजह से 55 वर्षीय रफीक अपने बेटे को गोद में उठाकर कमरा नंबर-33 में सीटी स्कैन कराने के लिए पहुंचा। इस दौरान रफीक की सांस फूल गई।

आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान' के कैमरे में इन तस्वीरों के कैद होने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने मामले का संज्ञान लिया। जांच के बाद मरीज व्हीलचेयर पर बैठकर इमरजेंसी में अपने बेड पर पहुंचा। अस्पताल के सीएमएस डा. राकेश कुमार का कहना है कि मरीज को व्हीलचेयर नहीं देने की जांच कराई जा रही है। इस मामले में स्टाफ से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

पैथोलॉजी लैब निचले तल पर लाने की योजना

महिला अस्पताल में पैथोलॉजी लैब को ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट करने की योजना है। फिलहाल गर्भवती महिलाओं को पैथोलॉजी जांच के लिए चौथी मंजिल पर जाना पड़ रहा है। अस्पताल प्रबंधन लैब के लिए ग्राउंड फ्लोर पर जगह चिन्हित करने में जुटा है। सीएमएस डॉ. अभिषेक त्रिपाठी के अनुसार जल्द ही लैब को निजी कंपनी का सहयोग मिलेगा, जिससे कई जांच शुरू हो सकेंगी।

जापान और फिलीपींस के प्रति अमेरिका की रक्षा प्रतिबद्धताएं सदैव दृढ़ हैं, राष्ट्रपति बाइडन ने चीन पर भी कही बड़ी बात

वाशिंगटन , एजेंसी। राष्ट्रपति जो बाइडन ने रणनीतिक रूप से अहम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नई त्रिपक्षीय भागीदारी की शुरुआत करते हुए कहा कि जापान और फिलीपींस की सुरक्षा के प्रति अमेरिका सदैव दृढ़ रहा है। बाइडन ने जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर का व्हाइट हाउस में स्वागत करते हुए पहले त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। अमेरिका, जापान, फिलीपींस ने शिखर सम्मेलन में बीजिंग के दक्षिण चीन सागर में उठाए जाने वालों कदमों की निंदा की। टोक्यो का पूर्वी चीन सागर में सेनकाकू द्वीप समूह को लेकर और मनीला का दक्षिण चीन सागर के कई क्षेत्रों को लेकर बीजिंग से विवाद है। बाइडन ने कहा कि दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के विमानों, जहाजों या उसके सशस्त्र बलों पर कोई भी हमला हमारी पारस्परिक रक्षा संधि का आह्वान करेगा। बाइडन ने वैश्विक बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए जी-7 की साझेदारी के हिस्से के रूप में फिलीपींस में एक आर्थिक गलियारा शुरू करने की भी घोषणा की। यह हिंद प्रशांत में पहला गलियारा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए चीन ने कहा कि वह संबंधित देशों द्वारा गुट आधारित राजनीति का कड़ा विरोध करता है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओनिंग ने बीजिंग में कहा कि हम तनाव बढ़ाने वाले और दूसरे देशों की रणनीतिक सुरक्षा और हितों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी कृत्य का विरोध करते हैं। इस क्षेत्र में विशेष समूह बनाने के खिलाफ हैं। फिलीपींस के विदेश मंत्री एनरिक मनालो ने कहा कि हम अपने संप्रभु अधिकारों का दावा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। खासकर विशेष आर्थिक क्षेत्र के अंदर। उन्होंने चीन पर उत्पीड़न तेज करने का आरोप लगाया। वहीं अमेरिकी रक्षा सचिव लायड आस्टिन ने कहा कि चीन की ज्यादतियों के खिलाफ वाशिंगटन मनीला के साथ खड़ा है। अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया ने विवादित पूर्वी चीन सागर में युद्धाभ्यास किया। अमेरिकी थियोडोर रूजवेल्ट ने जापान और दक्षिण कोरिया के युद्धपोतों की साथ तीन दिवसीय संयुक्त अभ्यास आयोजित किया। कूटनीतिक के साथ ही सैन्य युद्धाभ्यास का उद्देश्य क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य कार्रवाइयों के सामने साझेदारों की एकजुटता को मजबूत करना है।

सुनक सरकार ने प्रवासियों को दिया बड़ा झटका, वीजा नियम किए सख्त; भारतीयों पर भी पड़ेगा असर

लंदन , एजेंसी। ऋषि सुनक सरकार ने देश में प्रवासियों की आमद को कम करने के लिए यूनाइटेड किंगडम में नए वीजा नियम पेश किए हैं। इसमें प्रायोजन शुल्क में 55त्न से अधिक की बढ़ोतरी की गई है। भारतीय मूल के लोगों सहित, यूके के पारिवारिक वीज़ा के लिए प्रायोजन चाहने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अब न्यूनतम वार्षिक वेतन लगभग 29,000 होना चाहिए। पहले यह लगभग 18,600 था। अगले साल यह इनकम बढ़ाकर 38,700 लगभग कर दी जाएगी। यह पीएम सुनक और गृह सचिव जेम्स क्लेवरली के पैकेज में अंतिम उपाय है। यूके के गृह कार्यालय ने कहा कि यह लीगल माइग्रेशन को कम करने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि यहां आने वालों लोगों के कारण यहां के करदाता पर बोझ न पड़े। हम बड़े पैमाने पर माइग्रेशन के साथ एक चरम बिंदु पर पहुंच गए हैं। ऐसा कोई सरल समाधान या आसान निर्णय नहीं है, जो संख्या को ब्रिटिश लोगों के लिए स्वीकार्य स्तर तक कम कर दे। हमने अस्थिर संख्या में कटौती करने, ब्रिटिश श्रमिकों और उनके वेतन की रक्षा करने, यह सुनिश्चित करने के लिए कि ब्रिटेन में परिवार लाने वालों के कारण करदाताओं पर बोझ न पड़े और भविष्य के लिए उपयुक्त एक आव्रजन प्रणाली बनाने के लिए काम किया है, जिसपर जनता उचित रूप से भरोसा कर सकती है। मुझे लगता है कि यहां सिद्धांत सही है कि अगर लोग अपने परिवार के हिस्से के रूप में आश्रितों को इस देश में ला रहे हैं तो उन्हें उनका भरण-पोषण करने में सक्षम होना चाहिए। बता दें कि 2023 में लगभग 3 लाख लोगों ने यूके में प्रवास किया था। इसके बाद अब गृह कार्यालय का कहना है कि इतना बड़ा आप्रवासन अब संभव नहीं होगा। सरकार ने पिछले साल पेश किए गए पैकेज के हिस्से के रूप में कई वीजा मानदंडों को सख्त कर दिया है। अब छात्रों और देखभाल कर्मियों के लिए परिवार को यूके लाना लगभग असंभव है।

म्यांमार में बदतर हुए हालात, भारत ने दूतावास से कर्मचारियों को निकाला

यंगून, एजेंसी। पड़ोसी देश म्यांमार में हालात अब और भी बदतर होते जा रहे हैं। भारत ने शुक्रवार को कहा कि उसने म्यांमार के सिटवे में अनिश्चित सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर वहां स्थित अपने वाणिज्य दूतावास से कर्मचारियों को यांगून में स्थानांतरित कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत म्यांमार की स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि मांडले में भारतीय वाणिज्य दूतावास काम कर रहा है।

तीन भारतीय युवकों के अपहरण की खबरों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास इस मामले पर काम कर रहा है और उम्मीद है कि जल्द उनकी घर वापसी होगी। म्यांमार के कई हिस्सों में सैन्य जुंटा और प्रतिरोधी बलों के बीच तेज लड़ाई छिड़ी हुई है।

प्रतिरोधी बल पहले ही कई कस्बों पर कब्जा कर चुके हैं। जुंटा विरोधी ताकतों ने पिछले हफ्ते म्यावड्डी में कई सैन्य ठिकानों और एक कमांड सेंटर पर नियंत्रण बना लिया है।

जायसवाल ने कहा कि म्यांमार में सुरक्षा स्थिति ''अनिश्चित'' बनी हुई है और यह बिगड़ती जा रही है। उन्होंने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''हम म्यांमार में, खासकर रखाइन राज्य में सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। हमारे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।'' जायसवाल ने कहा, ''हमने सिटवे में भारत के महावाणिज्य दूतावास से अपने कर्मचारियों को अस्थायी रूप से यांगून स्थानांतरित कर दिया है। मांडले में हमारा वाणिज्य दूतावास पूरी तरह काम कर रहा है।''

म्यावड्डी में जुंटा विरोधी ताकतों के नियंत्रण को महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह थाईलैंड के साथ व्यापार के लिए म्यांमार का मुख्य पारगमन बिंदु है। प्रतिरोधी बलों ने पहले ही भारत, चीन और बांग्लादेश की सीमा के पास कई प्रमुख व्यापारिक स्थानों पर कब्जा कर लिया है। एक फरवरी, 2021 को सेना द्वारा तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा करने के बाद से म्यांमार में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर व्यापक हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

रखाइन राज्य और कई अन्य क्षेत्रों में पिछले साल अक्टूबर से सशस्त्र जातीय समूहों और म्यांमार सेना के बीच गंभीर लड़ाई छिड़ी हुई है। भारत के साथ लगी सीमा के पास म्यांमार के कई प्रमुख कस्बों और क्षेत्रों में नवंबर के बाद से दोनों पक्षों के बीच लड़ाई जारी है। इससे मणिपुर और मिजोरम की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव को लेकर भारत में चिंताएं बढ़ गई हैं। तीन भारतीयों के अपहरण की खबरों पर जायसवाल ने कहा, ''हमारे दूतावास को मामले की जानकारी है। वे इस पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि हम उन्हें बाहर निकालने में सफल होंगे।''

गाजा पट्टी में इजराइली गोलाबारी में तीन पत्रकार घायल

गाजा , एजेंसी। फिलिस्तीनी सूत्रों ने कहा कि मध्य गाजा में नुसेइरात शरणार्थी शिविर पर इजराइली गोलाबारी में तीन फिलिस्तीनी पत्रकार घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि इजराइली तोपखाने ने पत्रकारों के एक समूह पर उस समय गोलाबारी की, जब वे नुसेरात शिविर में घटनाओं को कवर कर रहे थे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को इजराइली सेना ने नुसीरात शिविर के बाहरी इलाके में एक सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा की। चिकित्सा सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया कि तीन घायल पत्रकार दीर अल-बाला के शुहदा अल-अक्सा अस्पताल पहुंचे। उनमें से एक का दाहिना पैर कट गया और उसके शरीर पर छर्रे के घाव हो गए, जबकि अन्य दो को मामूली चोटें आईं। इस घटना पर इज़राइली सेना की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है। इस बीच, हमास द्वारा संचालित सरकारी मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा कि इजराइली सेना ने तीन पत्रकारों को उस समय निशाना बनाया, जब उन्होंने स्पष्ट प्रेस चिह्न वाली जैकेट पहन रखी थी। बयान में इसे मीडिया कर्मियों को निशाना बनाने का अपराध माना गया। गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, छह महीनों में गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में लगभग 140 पत्रकार मारे गए हैं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।